वर्ष-11 अंक-42 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, शुक्रवार 18 अप्रैल 2025

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटर्वक

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

बिना नोटिस आव्रजन दर्जा खत्म हुआ तो अमेरिकी कोर्ट पहुंचा भारतीय छात्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बिना नोटिस आव्रजन दर्जा खत्म हुआ तो अमेरिकी कोर्ट पहुंचा भारतीय छात्र; जानिए चिन्मय देवरे के बारे मेंअमेरिका से अप्रवासियों के निर्वासन का सिलसिला लगातार जारी है। मगर अब वीजा लेकर रह रहे लोगों को भी निर्वासित करने के लिए उनका आव्रजन दर्जा खत्म किया जा रहा है। ऐसे ही एक मामले में अब अमेरिकी गृह विभाग और आव्रजन अधिकारियों के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस बार मुकदमा चार छात्रों ने दर्ज कराया है। इसमें एक भारतीय छात्र चिन्मय देवरे भी शामिल है। छात्र का कहना है कि उसके आव्रजन दर्जे को बिना नोटिस और सूचना दिए समाप्त कर दिया गया। जबकि उनके खिलाफ न तो कोई मुकदमा है और न ही वे किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल रहे हैं। आव्रजन अधिकारियों की कार्रवाई से भारतीय छात्र चिन्मय देवरे समेत तीन अन्य छात्रों का करियर खतरे में पड़ गया है। आइए जानते हैं चिन्मय देवरे कौन हैं और मामला क्या है मिशिगन के अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एण्ळ) ने छात्रों की ओर से दायर मुकदमे में कहा कि चिन्मय देवरे वेन स्टेट यूनिवर्सिटी से स्नातक कर रहे हैं। वे 2004 में एच 4 आश्रित वीजा लेकर अपने परिवार के साथ अमेरिका आए। उन्होंने और उनके परिवार ने 2008 में अमेरिका छोड़ दिया। मगर 2014 में उनका परिवार वापस आ गया। मिशिगन में हाईस्कूल पूरा करने के बाद चिन्मय ने एच-4 स्थिति के तहत वेन स्टेट यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया। जहां से वह 2021 से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक कर रहे हैं। चिन्मय ने मई 2022 में आवेदन किया और उन्हें एच-4 स्टेटस की उम्र खत्म होने पर एफ-1 छात्र का दर्जा पाने की अनुमति दे दी गई। मई 2025 में वे अपना कोर्स पूरा करके स्नातक हो जाएंगे। चिन्मय ने स्नातक करने के बाद इ-1 दर्जे के अनुसार वैध रोजगार प्राप्त करने की योजना बनाई थी। चिन्मय कैंटन में अपने परिवार के साथ रहते हैं। मुकदमे के अनुसार, देवरे पर कभी भी संयुक्त राज्य अमेरिका में किसी अपराध का आरोप नहीं लगाया गया है ।

मतदाता सूची में सुधार के लिए महज 89 अपील की गईं', चुनाव आयोग ने खारिज किया हेराफेरी का विपक्ष का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अगले कुछ महीनों में बिहार और अन्य राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में विपक्षी दल मतदाता सूची में गड़बड़ी के मुद्दे को और आक्रामकता के साथ उठाएंगे। हालांकि, चुनाव आयोग अपने रुख कायम है कि ईपीआईसी नंबरों के दोहराव का मतलब डुप्लीकेट या फर्जी मतदाता नहीं है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में हेराफेरी के विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया है। चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मतदाता सूची में सुधार के लिए महज 89 अपील ही की गईं। दरअसल, संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची पर विस्तृत चर्चा की मांग की थी। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने 2024 के विधानसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र की मतदाता सूची में कथित फर्जीवाड़े और मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबरों के दोहराव का दावा किया था। इससे पहले राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया था कि 2019 से 2024 तक महाराष्ट्र की मतदाता सूची में करीब 30 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने भी मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। अब चुनाव

आयोग के सूत्रों का कहना है कि लगाए गए आरोप तथ्यों से परे हैं।सूत्रों के मुताबिक, 6-7 जनवरी 2025 को प्रकाशित विशेष सारांश संशोधन के दौरान जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 24 के तहत शायद ही कोई पहली या दूसरी अपील की गई हो या मतदाता सूची (धारा 22) या समावेशन (धारा 23) में किसी प्रविष्टि में सुधार किया गया हो। विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) में मतदाता सूची की समीक्षा करना और मतदाता सूची का मसौदा जारी करना शामिल है। यह अक्सर चुनावों से पहले कराया जाता है। इसका मकसद नए पात्र मतदाताओं को जोड़कर एक न्यायसंगत और पारदर्शी मतदान प्रक्रिया को बनाए रखना है। इसमें 18 साल के हो चुके लोग या अपना निर्वाचन क्षेत्र बदलने वाले लोग शामिल हैं। इसमें डुप्लिकेट और मृत मतदाताओं को हटाना भी शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र में सिर्फ 89 अपील दर्ज की गईं। देश में 13,857,359 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) थे और मतदाता सूची में बदलाव के लिए केवल 89 अपील की गईं। इसलिए जनवरी 2025 में एसएसआर के पूरा होने के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियों को निर्विवाद रूप से स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। चुनाव आयोग के सूत्रों का आगे कहना है कि आरपी अधिनियम 1950 की धारा 24 को 20 सितंबर, 1961 को जोड़ा गया था, जो वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त के जन्म से बहुत पहले की बात है।

पलानीस्वामी बोले- तमिलनाडु में बीजेपी के साथ लड़ेंगे चुनाव, लेकिन नहीं बनाएंगे गठबंधन सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पलानीस्वामी ने कहा कि शाह ने 11 अप्रैल को जो घोषणा

की थी, वह यह थी कि एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन चुनाव जीतेगा और सरकार बनेगी, लेकिन इसका मतलब गठबंधन सरकार नहीं है। पलानीस्वामी ने कहा कि अगर गठबंधन चुनाव जीतता है तो भाजपा के साथ सत्ता साझा करने की गुंजाइश नहीं है। एआईएडीएमके महासचिव एके पलानीस्वामी ने बुधवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में आता है तो राज्य में गठबंधन सरकार नहीं बनेगी। पलानीस्वामी ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कभी नहीं कहा कि तमिलनाडु में एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन की सरकार बनेगी। एआईएडीएमके महासचिव पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि मीडिया ने प्रासंगिक मुद्दे को गलत समझा। पलानीस्वामी ने कहा कि शाह ने 11 अप्रैल को जो घोषणा की थी, वह यह थी कि एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन चुनाव जीतेगा और सरकार बनेगी, लेकिन इसका मतलब गठबंधन सरकार नहीं है। पलानीस्वामी ने कहा कि अगर गठबंधन चुनाव जीतता है तो भाजपा के साथ सत्ता साझा करने की गुंजाइश नहीं है।एआईएडीएमके के शीर्ष नेता ने कहा कि शाह ने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे और तमिलनाडु के संबंध में, इसका नेतृत्व वे स्वयं करेंगे। उन्होंने कहा, ठआपको समझना चाहिए, स्थिति साफ है। पलानीस्वामी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा तमिलनाडु के अध्यक्ष नयनार नागेंद्र ने कहा कि अमित शाह और पलानीस्वामी मिलकर इस मामले पर निर्णय लेंगे और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गठबंधन को मजबूत करने के लिए बातचीत उनकी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा की गई थी।

अमेरिका में चीन के उत्पादों का भरोसेमंद विकल्प बन सकता है भारत

अमेरिका। चांदनी चौक से सांसद और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल का मानना है कि भारत, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में

जहां पहले से ही प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त है, अमेरिका में चीन के उत्पादों का एक भरोसेमंद और लोकतांत्रिक विकल्प बन सकता है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ युद्ध ने भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में भारत के व्यापार को एक नया आयाम देने का मौका मिला है। अमेरिका द्वारा चीन के कई उत्पादों पर लगभग 145ज़ तक के भारी शुल्क लगाए जाने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में जो बदलाव आयेगा, उसे भरने के लिए भारतीय व्यापारिक संगठनों और उद्योग जगत को तुरंत कदम उठाने की आवश्यकता है। भारत, अमेरिका में चीन के उत्पादों का एक विश्वसनीय और लोकतांत्रिक विकल्प बन सकता है चांदनी चौक से सांसद और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल का मानना है कि भारत, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां पहले से ही प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त है, अमेरिका में चीन के उत्पादों का एक भरोसेमंद और लोकतांत्रिक विकल्प बन सकता है। यह भारत के लिए एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाला अवसर है कि वह खुद को एक वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में पुनः स्थापित करे। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां, अमेरिका को विश्वसनीय भागीदारों की तलाश करने को मजबूर करेंगी। ऐसे में भारतीय व्यापार और उद्योग को इस रणनीतिक मौके का लाभ उठाना चाहिए। खंडेलवाल ने बताया, ऊंचे टैरिफ के चलते अमेरिकी कंपनियां अब चीनी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करना चाहेंगी। ऐसे में भारत का कम लागत और उच्च कौशल वाला विनिर्माण तंत्र एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर सकता है।

हाईटेक सियासी मैदान; नासिक में गूंजी बाला साहेब की आवाज, उद्धव गुट को 'बाल ठाकरे' ने किया संबोधित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भाजपा प्रमुख बावनकुले ने शिवसेना (यूबीटी) के इस कदम को नाटक बताया। 'एक्स' पर एक पोस्ट में बावनकुले ने इसे 'बचकाना स्टंट' कहा। बावनकुले ने कहा, 'शर्मनाक! जब कोई उनकी आवाज नहीं सुन रहा है, तो केवल यूबीटी जैसा गुट ही आदरणीय शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे की आवाज में अपनी बात कहने का बचकाना काम कर सकता है।शिवसेना (यूबीटी) ने विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए रणनीति बनाना तेज कर दिया है। इसके लिए पार्टी ने अपने संस्थापक बाल ठाकरे का सहारा लिया है। पार्टी ने बुधवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब जैसी आवाज निकाली। भाषण में भाजपा और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली मौजूदा शिवसेना पर हमला बोला गया। हालांकि, राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने इसे बचकाना स्टंट बताया।बाल ठाकरे जैसी तेज आवाज वाले करीब 13 मिनट के भाषण की शुरुआत उनकी खास शुरुआती पंक्ति 'जामलेय माझ्या

तमाम हिंदू बांधवणु, बाघिनिनो आणि मतनो' (यहां एकत्र हुए मेरे हिंदू भाइयों, बहनों और माताओं को नमस्कार) से हुई। उत्तर महाराष्ट्र के नासिक में शिवसेना (यूबीटी) की एक सभा में इसे प्रसारित किया गया।शिवसेना (यूबीटी) के मुताबिक, इस भाषण में वही बातें कहने की कोशिश की गई, जो बाल ठाकरे जीवित होते तो कहते। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की ओर से लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा और शिंदे की पार्टी पर किए गए हमलों जैसा लग रहा था। एआई के भाषण में बाल ठाकरे के हाव-भाव और लहजे को भी पकड़ने की कोशिश की गई। यह पहली बार है जब शिवसेना संस्थापक के भाषण का इस्तेमाल उनके बेटे की पार्टी ने अपने विरोधियों पर निशाना साधने के लिए किया। पार्टी भविष्य की रैलियों में इस रणनीति का इस्तेमाल कर सकती है, क्योंकि उद्धव ठाकरे अपने राजनीतिक जीवन के अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर का सामना कर रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) इस साल होने वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए भी कमर कस रही है।एआई का यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब शिवसेना (यूबीटी) के विरोधी बाल ठाकरे की ओर से कांग्रेस की आलोचना करने के पुराने वीडियो का मजाक उड़ा रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) विपक्षी दल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक हैं, जिसने पिछले साल विधानसभा चुनावों में 288 सीटों में से केवल 46 सीटें जीतकर सबसे खराब प्रदर्शन किया था। शिवसेना (यूबीटी) को प्रतिद्वंद्वी शिवसेना की 57 सीटों की तुलना में केवल 20 सीटें मिलीं।राज्य भाजपा प्रमुख बावनकुले ने शिवसेना (यूबीटी) द्वारा एआई नाटक की निंदा की। एक्स पर एक पोस्ट में बावनकुले ने इसे 'बचकाना स्टंट' कहा। बावनकुले ने कहा, 'शर्मनाक! जब कोई उनकी आवाज नहीं सुन रहा है, तो केवल यूबीटी जैसा गुट ही आदरणीय शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे की आवाज में अपनी बात कहने का बचकाना काम कर सकता है।'उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) की ओर से की गई कई कार्रवाइयों को सूचीबद्ध किया, जो उनके विचार में बाल ठाकरे की विचारधारा के विपरीत थीं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में रोड़ा बन रहे ये राज्य; पीएम मोदी ने खुद संभाला मोर्चा की मैराथन बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के साथ पार्टी की केंद्रीय टीम, केंद्रीय मंत्रिमंडल और पार्टी शासित कुछ राज्यों में मंत्रिमंडल विस्तार पर एक साथ मंथन कर रहा है। केंद्रीय टीम में नया नेतृत्व बनाने के लिए सचिवों और महासचिवों की टीम में कम से कम 50 फीसदी जगह युवाओं को देने पर मंथन हो रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में हो रही देरी को टालने के लिए अब खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोर्चा संभाल लिया है।

इस क्रम में पीएम ने बुधवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, संगठन महासचिव बीएल संतोष और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मैराथन बैठक की। बैठक में चुनाव की राह में रोड़ा बने उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्यों के संगठन चुनाव पर चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष के जरिये भाजपा क्षेत्रीय समीकरणों को साधने को महत्व नहीं देगी। सूत्रों का कहना है कि पार्टी को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो भाजपा के विशाल नेटवर्क को कुशलता से संभाल सके।इस दौरान इसी हफ्ते कम से कम आधा दर्जन राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा करने पर सहमति बनी। गौरतलब है कि इन राज्यों में संगठन चुनाव नहीं होने के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव अगले महीने तक टलने के आसार बन रहे हैं। दरअसल लंबी कवायद और जद्दोजहद के बावजूद उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में संगठन चुनाव संपन्न नहीं हो पाया है। चुनाव प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह की पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, पीयूष गोयल के साथ मंगलवार देर रात तक मैराथन बैठक हुई थी। इसके बाद बुधवार को इन नेताओं की पीएम के साथ बैठक हुई। गौरतलब है कि महीनों कवायद के बाद भी पार्टी अब तक 15 राज्यों में ही संगठन चुनाव संपन्न करा पाई है।पार्टी सूत्रों ने बताया कि उपरोक्त बड़े राज्यों में संगठन चुनाव संपन्न हुए बिना राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संभव नहीं है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल बनाना पड़ता है, जिसके सदस्य राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषद के सदस्य होते हैं। चूंकि इन बड़े राज्यों की राष्ट्रीय परिषद में हिस्सेदारी करीब 50ज़ है। ऐसे में जब तक संगठन चुनाव नहीं होते, तब तक न तो राष्ट्रीय परिषद का कोटा भरा जा सकेगा और न निर्वाचक मंडल ही बनाया जा सकेगा।उत्तर प्रदेश में केंद्रीय नेतृत्व तय नहीं कर पा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग से बनाया जाए या अगड़ा वर्ग से। दरअसल जिसे प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाएगा, उसी के नेतृत्व में अगला विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा, इसलिए नेतृत्व बेहद सावधानी बरत रहा है। मध्यप्रदेश को छोड़ कर दूसरे बड़े राज्यों गुजरात और कर्नाटक को लेकर भी यही समस्या है।

उत्तर-पश्चिम के पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश मैदानों में गर्मी-लू का अलर्ट; आईएमडी ने दी ये चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देश के उत्तर पश्चिम से लेकर मध्य क्षेत्र में प्रचंड गर्मी का प्रकोप बना हुआ है। वहीं, पहाड़ी क्षेत्र में बारिश और ओलावृष्टि हो रही है। इस बीच केंद्रीय मौसम विभाग ने आज के लिए पूर्वानुमान जारी किया है। उत्तर पश्चिम से लेकर मध्य भारत तक प्रचंड गर्मी

का प्रकोप बना हुआ है। पंजाब में तो पारा 43 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है, जबकि राजस्थान में कुछ जगहों पर 45 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन राजस्थान और गुजरात में लू का अलर्ट जारी किया। वहीं, हिमाचल समेत पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में बारिश और ओलावृष्टि हो रही है, जिसके 20 अप्रैल तक जारी रहने का अनुमान है। हिमाचल के लिए बारिश और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।मौसम विभाग के अनुसार, 18 अप्रैल तक उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और उसके बाद के 3-4 दिनों के दौरान 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है। अगले 4 दिनों के दौरान मध्य भारत में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की संभावना है। महाराष्ट्र में अगले 24 घंटे बाद और गुजरात में अगले दो दिन बाद तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। 19 अप्रैल तक राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर लू चल सकती है। 17 अप्रैल को गुजरात में गर्व हवाएं चलेंगी। इस दौरान केरल और माहे में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है। 18 अप्रैल तक राजस्थान के कई हिस्सों और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में रात में भी गर्मी महसूस की जा सकती है।केंद्र की ओर जारी पूर्वानुमान के अनुसार आज (बृहस्पतिवार) उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने के आसार हैं। इसके साथ ही इन जिलों के कुछ इलाकों में तेज गर्जन के साथ बिजली चमकने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा।आने वाले दिनों की बात करें तो 18 अप्रैल को देहरादून समेत उत्तरकाशी, टिहरी व नैनीताल में बारिश और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अगले दिन 19 अप्रैल को भी प्रदेश के अधिकतर जिलों के लिए भी बारिश और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा झोंकेदार हवाएं भी मौसम को बदलने में पूरा सहयोग करेंगी।पंजाब में बुधवार को पारा 43.3 डिग्री पहुंच गया। पंजाब के अधिकतम तापमान में 1.3 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। यह सामान्य से 2.3 डिग्री ऊपर है। बृहस्पतिवार को भी मौसम शुष्क रहने की संभावना है। 18 अप्रैल से मौसम का मिजाज बदलेगा और दो दिन 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। इस दौरान कुछ जगहों पर बारिश की भी संभावना है।

'सिंदूर पोंछ-चूड़ियां उतार हमारे साथ चलो पतियों को छोड़ देंगे'; पीड़ितों ने सुनाई आपबीती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। उस रात का दर्द सुनाने को आज मेरे पास न तो हिम्मत है, और न ही कलेजा। दिल धक्क से बैठ जाता है। आज भी रात को नींद नहीं आती। कानों में चीख

पुकार गूंजती है। एक साथ ही रहने वाले कैसे हैवान बन सकते हैं। कैसे हमारे कपड़ों को खींच सकते हैं। मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा की बानगी पीड़ितों ने कुछ ऐसे ही सुनाई। आपबीती सुनाते हुए उनकी आवाज से उनका खौफ भी बयां हो रहा था.हिंसा का दर्द पीड़ितों के चेहरे आंसू बनकर बह रहे हैं। खौफ इतना है कि खटका होते ही पूरा परिवार नींद में भी चौंक जा रहा है। बेदवान की महिलाएं उस दिन की हैवानियत की बात सुनाते हुए फूट-फूट कर रो पड़ती हैं। एक महिला अपनी दर्द की कहानी सुनाते हुए फफक-फफक कर रोते हुए बोली-कई उपद्रवी मेरे घर में घुस आए। मुझे पकड़ लिया। हाथ पर खरोंच के निशान दिखाते हुए बोली, किसी तरह अपने को बचाया। एक उपद्रवी ने कहा तुम जिंदा रहना चाहती हो तुम अपना सिंदूर पोंछ लो, ये चुड़ियां तोड़ डालो और हमारे साथ चलो। तुम्हारे पति को छोड़ देंगे। अगर तुम हमारे साथ चलोगी, तभी तुम जिंदा रह पाओगी। कहते हुए-फफक-फफक कर रो पड़ती हैं।भय और इज्जत खोने की डर से त्रस्त बेदवान की महिलाओं ने प्रधानमंत्री और महामहिम राष्ट्रपति से कातर अपील की है। महिलाओं ने कहा, हम हाथ जोड़ कर महामहिम राष्ट्रपति जी से विनती करती हैं, आप एक महिला हैं। किसी महिला की इज्जत ही महिला का सब कुछ होता है। आपसे विनम्र निवेदन है कि हमको बचा लीजिए। हम बहुत डरी हुई हैं।उस दिन धूलियान शहर में हजारों की भीड़ ने चुन-चुन कर हिंदु दुकानों को निशाना बनाया। शहर के दुकानदार अभी तक उस दहशत से उबर नहीं पाए हैं। एक दुकानदार बंद दुकान के बाहर फीता लेकर एक नाप-जोख कर रहे थे।

वक्फ संशोधन कानून पर आज शीर्ष कोर्ट दे सकता है अंतरिम आदेश; नए कानून के बारे में पीठ ने उठाए ये सवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन कानून पर तत्काल रोक से शीर्ष कोर्ट ने इनकार कर दिया है। लेकिन कानून के कुछ प्रावधानों पर आपत्ति भी

जताई है। शीर्ष कोर्ट ने घोषित वक्फ संपत्तियों को गैर अधिसूचित करने पर, पदेन को छोड़ वक्फ में गैर मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने पर और कलेक्टर की जांच के दौरान संपत्ति को गैर वक्फ करने पर आपत्ति जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ महत्वपूर्ण प्रावधानों पर अंतरिम आदेश के जरिये रोक लगाने का प्रस्ताव रखा है। शीर्ष कोर्ट ने अदालतों की ओर से वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर अधिसूचित करने, वक्फ में पदेन सदस्यों को छोड़कर अन्य गैर मुस्लिम सदस्य को शामिल करने और कलेक्टरों की जांच के दौरान संपत्ति को गैर वक्फ किए जाने के प्रावधानों पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा।अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि, कानून के लागू होने पर तत्काल रोक नहीं लगाई। शीर्ष कोर्ट ने इस मुद्दे पर हो रही हिंसा पर चिंता जताई। वहीं, केंद्र सरकार ने प्रावधानों पर रोक के प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि शीर्ष कोर्ट को कोई भी निर्देश जारी करने से पहले मामले मे सुनवाई करनी चाहिए। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, हमारा अंतरिम आदेश हिस्सेदारी को संतुलित करेगा। पहला, हम आदेश में कहेंगे कि न्यायालय की ओर से वक्फ घोषित की गई किसी भी संपत्ति को गैर अधिसूचित नहीं किया जाएगा, यानी उसे गैर वक्फ नहीं माना जाएगा, फिर चाहे वह संपत्ति उपयोगकर्ता की ओर से वक्फ की गई हो या विलेख के जरिए।

सीएमपी डिग्री कॉलेज पर बमबाजी, छात्र और छात्रा घायल, मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज गेट के पास बमबाजी से एक छात्रा और छात्र घायल हो गए। घटना में घायल दोनों छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। सीएमपी डिग्री कॉलेज गेट के पास बमबाजी से एक छात्रा और छात्र घायल हो गए। घटना में घायल दोनों छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, जार्ज टाउन थाना पुलिस ने बीए तृतीय वर्ष के छात्र पर मुकदमा दर्ज किया है। कॉलेज की अनुशासनाधिकारी प्रोफेसर अर्चना त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि बुधवार को सीएमपी डिग्री कॉलेज में सुबह सात बजे से 10 बजे तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा संचालित हो रही थी। परीक्षा समाप्ति के बाद महाविद्यालय के मुख्य गेट पर तेज आवास सुनाई दी, जिसे सुनकर मुख्य गेट पर आई। छात्रों से पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि बीए तृतीय वर्ष के छात्र आलोक पाठक ने को अंजाम दिया है, जो कि मूल रूप से बस्ती जिले के थाना खास गांव हरैया का रहने वाला है। पता चला कि आलोक ने अपने साथियों के साथ मिलकर बम फेका है। इस घटना में एक छात्र शिवम सिंह एवं छात्रा स्मृति यादव को चोटे आई हैं। वहीं पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में जगह-जगह दबी दे रही है। जार्ज टाउन थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सिर्फ भागकर शादी करने के आधार पर सुरक्षा नहीं दी जा सकती, हाईकोर्ट ने कहा समाज का सामना करना सीखना होगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सिर्फ भागकर शादी करने के आधार पर सुरक्षा नहीं दी जा सकती है। स्वेच्छा से शादी करने वाले जोड़ों को समाज का सामना करना सीखना होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि स्वेच्छा से शादी करने वाले जोड़ों को समाज का सामना करना सीखना होगा। सिर्फ भागकर शादी करने के आधार पर सुरक्षा नहीं दी जा सकती। उन्हें यह साबित करना होगा कि उनके जीवन और स्वतंत्रता को वास्तविक खतरा है। न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने चित्रकूट की श्रेया केसरवानी की याचिका निस्तारित करते हुए यह टिप्पणी की है। चित्रकूट के कर्वी थाना निवासी श्रेया ने कोर्ट से शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में विपक्षियों के हस्तक्षेप न करने के लिए निर्देश देने की गुहार लगाई थी। याची अधिवक्ता की दलील थी कि शादी करने वाले जोड़े बालिग हैं। जिले के विवाह अधिकारी के यहां सिविल मैरिज के लिए आवेदन दिया हुआ है। परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी की है। आशंका है कि परिजन उन्हें क्षति पहुंचा सकता है। लड़की के साथ पहले भी दुर्व्यवहार हुआ है। ऐसे में उन्हें सुरक्षा दी जाए। कोर्ट ने कहा कि याचियों ने एसपी चित्रकूट को प्रत्यावेदन दिया है। पुलिस वास्तविक खतरे के मुताबिक कानूनी कदम उठा सकती है। रिकॉर्ड में ऐसा कोई तथ्य नहीं है, जिससे यह प्रतीत हो कि याचियों को गंभीर खतरा है और उन्हें सुरक्षा मिलनी चाहिए। विपक्षियों की ओर से याचियों पर शारीरिक या मानसिक हमला करने का कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया गया है। याचियों ने विपक्षियों के किसी अवैध आचरण को लेकर एफआईआर दर्ज करने के लिए संबंधित थाने में कोई अर्जी भी नहीं दी है। न ही मुकदमा दर्ज करने के लिए कोई तथ्य प्रस्तुत किया गया। ऐसे में पुलिस सुरक्षा देने का कोई केस नहीं बनता। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए कहा कि परेशानी होने पर प्रार्थना पत्र देने पर पुलिस उचित कार्रवाई करेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहमति संबंध के पल भर में बनते-बिगड़ते रिश्तों पर गंभीर चिंता जताई है। हाईकोर्ट ने कहा कि ब्रेकअप से पैदा हुए प्रतिशोध की आग में वैवाहिक रिश्तों की पवित्रता झुलस रही है। नई पीढ़ी के बीच आपसी सहमति से बन रहे अंतरंग संबंधों की तकरार को आपराधिक रंग देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो वास्तव में कानून का दुरुपयोग है।

प्रतापगढ़ में धमाका, गैस रिसाव से ब्लास्ट के साथ लगी आग, दो परिवार के आठ लोग झुलसे; दीवार जमीदोज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में गैस रिसाव से ब्लास्ट के साथ आग लग गई। घटना में दो परिवार के आठ लोग झुलस गए। धमाके के बाद दीवार जमीदोज हो गई। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में गैस रिसाव से धमाके के साथ एक घर में आग लग गई। घटना में दो परिवार के आठ लोग झुलस गए। कमरे की दीवार जमींदोज हो गई। झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जानकारी के अनुसार, उदयपुर थाना इलाके के भंवरी गांव में अशोक कुमार का परिवार खाना खाने के बाद रात दस बजे एक ही कमरे में सो रहा था। इस बीच कमरे में ही रखे गैस सिलेंडर में रिसाव शुरू हो गया। धीरे-धीरे पूरे कमरे में गैस भर गई। रात 2 बजे के करीब गैस का प्रेशर इतना बढ़ा कि अशोक के कमरे में जोरदार धमाका हो गया। धमाके के बाद आग लग गई और अशोक समेत पत्नी रेनू, पुत्र सनी, रवि और किशन झुलस गए। धमाके के चलते अशोक के कमरे की पक्की दीवार भी दो तरफ से धराशायी हो गई। दीवार गिरते ही बगल के कमरे में सो रहे भाई विजय की पत्नी गीता, उनकी दोनों बेटियां प्रिया व रियांशी भी झुलसकर घायल हो गए। दोनों कमरों के बीच बनी दीवार धमाके में गिरने के बाद भाई विजय के परिवार के लोग भी चपेट में आ गए। रात दो बजे हुई घटना के आठ घायलों को सांगीपुर सीएचसी लाया गया। यहां हर गंभीर देख सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां भी हालत में सुधार नहीं होने पर घायलों को प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। कुछ घायलों की हालत नाजुक भी बताई जा रही है। गनीमत रही कि गैस सिलेंडर में धमाका नही हुआ, वर्ना बड़ी अनहोनी से इंकार नही किया जा सकता था।

दिल्ली से बिहार जा रही थी कार, संतकबीर नगर में हादसा- बच्चे की मौत; 4 घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सड़क हादसे में एक ढ़ाई साल के मासूम को मौत हो गई। वहीं, कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। दिल्ली से बिहार के पूर्णिया जिले को जा रही एक कार कांटे पुलिस चौकी के पास बगल में बने मिट्टी के ढेर से टकरा गई, जिससे कार में सवार एक ढाई साल के मासूम की मौत हो गई। इसके साथ ही कार में सवार जक्सल, बहरूल, मुजीब समेत एक अन्य घायल हो गए।पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भेजवाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जबकि मासूम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि कार सवार बुधवार की देर रात दिल्ली से चलकर बिहार जा रहे थे। इसी बीच ये हादसा हो गया।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे करछना, बोले- यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे करछना, बोले- यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्तकांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सोमवार को करछना इलाके के इसौटा लोहंगपुर गांव में पहुंचे। एक दिन पहले जलाकर मारे गए दलित युवक देवीशंकर के परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें सांत्वना दी। कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव उनके साथ खड़ी है और परिजनों को न्याय दिलाकर ही दम लेगी। इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अजय राय ने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। संविधान निर्माता बाबा साहब की जयंती के एक दिन पहले करछना में दलित युवक को जलाकर मार डाला गया।प्रदेश में जंगलराज कायम है। कुछ दिन पहले वाराणसी में शर्मनाक घटना हुई। एक युवती से 23 लोगों ने बलात्कार किया। कासगंज में भाजपा के प्रमुख नेता समेत आठ लोगों ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि यूपी में कानून व्यस्था नाम की कोई चीज नहीं है। उन्होंने दलित युवक की हत्या की कड़ी निंदा करते हुए प्रदेश सरकार से 50 लाख रुपये मुआवजा, आवास समेत अन्य सुविधाएं देने की मांग की। कहा कि आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए। इस मौके पर कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह, पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, विवेकानंद पाठक, संजय तिवारी समेत तमाम नेता मौजूद रहे। करछना के इसौटा लोहंगपुर गांव में रविवार रात मजदूरी करने गए देवीशंकर (35) की हत्या कर शव जला दिया गया था। उसकी अधजली लाश बाग में मिली। आक्रोशित परिजनों-ग्रामीणों ने गांव के ही एक परिवार पर आरोप लगाकर एक सदस्य पर हमले का प्रयास भी किया। रोकने पर पुलिस से धक्कामुक्की भी की गई थी। परिजनों की तहरीर पर सात लोगों को नामजद करते हुए पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया है। देवीशंकर मजदूरी के साथ ही शादियों में बाजा बजाने का भी काम करता था। पिता अशोक कुमार ने बताया कि शनिवार रात 10:30 बजे के करीब गांव का ही दिलीप सिंह बेटे को गेहूं के बोझ की ढुलाई के लिए बुलाकर ले गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। पुलिस अफसरों के मुताबिक, पिता की तहरीर पर दिलीप सिंह, अजय सिंह, विनय सिंह, मनोज सिंह, सोनू सिंह उर्फ संजय, शेखर सिंह, मोहित व अन्य अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। पिता ने हत्या करने का आरोप लगाया है, लेकिन कोई वजह नहीं बताई है। उनका कहना है कि आरोपी दिलीप ही उसे बुलाकर ले गया था।

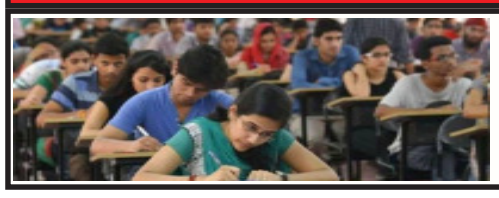

प्रदेश आस/पास

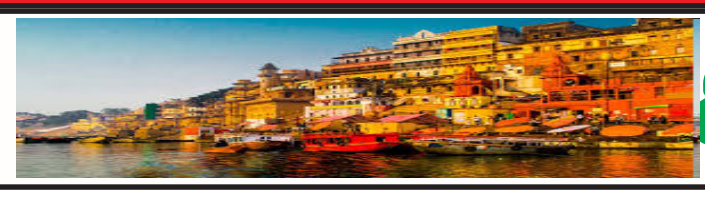

भारत

पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने में नागरिक निभाए अपना कर्तव्य कमिश्नर सुरभि गुप्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

शहडोल। ग्रीष्म कल को दृष्टिगत रखते हुए उमरिया युवा टीम द्वारा पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है। लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है, लेकिन पक्षियों व पशुओं को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में लोगों की जिम्मेदारी है कि वे पक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर अपने जिम्मेदारी का निर्वाहन करें। ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पंछियों को राहत मिल सके। पक्षियों के संरक्षण के उद्देश्य उमरिया जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया ने पक्षियों के लिए कदम बढ़ाया है। युवाओं की टोली ने कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता को सकोरा भेंट किया तथा पक्षी मित्र हिमांशु तिवारी ने युवा टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी ।कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने कहा कि युवा टीम उमरिया युवाओं की टोली का यह अत्यंत सराहनीय प्रयास है। युवाओं के इस प्रयास में हम सभी को अपनी सहभागिता निभाकर पक्षियों के लिए सकोरे बांधने चाहिए जिससे विलुप्त हो रहे पक्षियों का संरक्षण हो सके।कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने कहा इस पुनीत कार्य के लिए लोगो को जागृत करने व परिवार के साथ पक्षियों व पशुओं के लिए दाना पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लें इससे पुण्य तो मिलेगा ही। साथ ही बच्चे पक्षियों की जान बचाने के लिए आगे आएंगे।ऐसे में हमारी यह जिम्मेदारी ही नही अपितु कर्तव्य भी है कि हम पक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर अपने मानव धर्म का निर्वहन करें। ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पंछियों को राहत मिल सके। इस अवसर पर पर्यावरण मित्र खुशी सेन,शिखा बर्मन भी उपस्थित रहे।

हरि की बांसुरी ने विश्वंभर के पखावज को रिझाया, महावीर का आंगन बना मधुबन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। समारोह की पहली धुन लेकर संगीत समारोह के मंच पर आए पद्मविभूषण 87 वर्षीय पं. हरिप्रसाद चौरसिया की बांसुरी के साथ संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्रा ने पखावज पखावज की डिमडिमाहट और बांसुरी की धुन में एक खास संवाद चल रहा था, जिसे सुधि श्रोताओं ने बड़े चाव से महसूस किया। पूरे मंदिर परिसर में गूंज रही पं. हरिप्रसाद चौरसिया के बांसुरी की धुन और आलाप लोगों को मंदिर प्रस्तुति दूंगा। यहां कब से आ रहा हूं ये तो याद ही नहीं है। जीवन में कुछ करें न करें, लेकिन संगीत से नाता जरूर रखें। जीवन में पढ़ाई भले ही काम न आए, लेकिन संगीत और संगत काफी काम आएगा। संगीत ने ही आज 87 वर्ष की उम्र

बजाकर भक्ति रस जगा दिया। संकट मोचन का आंगन तब मधुबन बन गया, जब हरि की बांसुरी कान्हा बनकर विश्वंभर की पखावज रूपी राधा को रिझाने लगी। श्रोता-श्रद्धालु ग्वाल बाल जैसे इस पल के आनंद में डूब गए। इसी भाव के साथ बुधवार को 7:50 बजे 102वें साल के छह दिवसीय संकट मोचन संगीत समारोह का आह्वान हो गया। महावीर के दरबार में सबसे पहले बांसुरी पर राग विहाग गूंजा तो परिसर भर में फैले भक्तों का जमघट आंगन में लग गया। की ओर तेजी से खींच लाई। प्रस्तुति के दौरान पं. हरि प्रसाद ने तीन बार बांसुरी भी बदली। उनके होठों के कंपन भी सुर बन जा रहे थे। अंत में ओम जय जगदीश हरे... की धुन बजाई तो विदेशी श्रोता भी ताली बजाकर झूमने लगे। समापन के बाद श्रोताओं ने ऊंचे स्वर में हर-हर महादेव का जयघोष कर आभार जताया। दोनों वादकों के साथ बांसुरी पर विवेक सोनार और वैष्णवी जोशी ने मनोहारी संगत की। पं. हरिप्रसाद चौरसिया ने कहा कि मैं अगले 200 वर्षों तक यहां पर में मुझे युवा बनाकर रखा है। आज एआई के जमाने में जो संगीतकार पैसे वाले हैं, वो मशीनें भी खरीद लेते हैं और बड़े उपकरण मंगा लेते हैं। गरीब संगीतकारों को आगे नहीं बढ़ाते। हालांकि, एआई से संगीत को फायदा होता दिख रहा है। पं. हरिप्रसाद ने कहा कि आज की संगीत विधा को मैं नहीं जानता, जो बचपन से सुना है वही मालूम है। हमारी परंपरा तब तक चलेगी जब तक सूर्य निकलेगा। मेरी पूरी भक्ति यहां पर है। बनारस की तरह से कलाकार पूरे ब्रह्मांड में नहीं है। यहां के मंच में जादू सा है।

80 के दशक की बनी चहारदीवारी टूटी, ढाई फीट छोटा हो गया 'तिवारी हाता'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। जानकारों का कहना है कि पूर्व मंत्री ने 1980 के करीब सुरक्षा के लिहाज से तिवारी हाता के चारों तरफ 20 फीट की ऊंची ने 1980 के करीब सुरक्षा के लिहाज से तिवारी हाता के चारों तरफ 20 फीट की ऊंची चहारदीवारी बनवाई थी। विरासत गलियारे के सीमांकन के दौरान जद में आने पर करीब हाता की चहारदीवारी को टूटने से बचाने के लिए काफी प्रयास किया। पीडब्ल्यूडी विभाग को हाता के आस-पास ही उतनी अलग जमीन देने की भी बात की थी, लेकिन सहमति

चहारदीवारी बनवाई थी। विरासत गलियारे के सीमांकन के दौरान जद में आने पर करीब 45 साल बाद तिवारी हाता के मुख्य गेट से लगायत करीब डेढ़ सौ मीटर आगे हनुमान मंदिर तक चहारदीवारी तोड़ी जा रही है। इससे पहले ही अंदर एक 20 फीट ऊंची नई चहारदीवारी तैयार कर ली गई है। तिवारी हाता में दिनभर शुभचिंतक आते-जाते रहे। हाता में कुशल तिवारी के बेटे सभी लोगों से मिल रहे थे। इस दौरान समाजवादी पार्टी के नेताओं का भी आना-जाना लगा रहा। शुभचिंतकों के चेहरे बता रहे थे कि इस निर्णय से वे खुश नहीं हैं। वहीं तिवारी हाता की चहारदीवारी टूटते देख अगल-बगल के व्यापारियों ने भी विरासत गलियारे की जद में आया अपना हिस्सा तोड़ना शुरू कर दिया है। जानकारों के मुताबिक, पूर्व मंत्री के परिवार ने 45 साल बाद तिवारी हाता के मुख्य गेट से लगायत करीब डेढ़ सौ मीटर आगे हनुमान मंदिर तक चहारदीवारी तोड़ी जा रही है। इससे पहले ही अंदर एक 20 फीट ऊंची नई चहारदीवारी तैयार कर ली गई है। तिवारी हाता में दिनभर शुभचिंतक आते-जाते रहे। हाता में कुशल तिवारी के बेटे सभी लोगों से मिल रहे थे। इस दौरान समाजवादी पार्टी के नेताओं का भी आना-जाना लगा रहा। शुभचिंतकों के चेहरे बता रहे थे कि इस निर्णय से वे खुश नहीं हैं। वहीं तिवारी हाता की चहारदीवारी टूटते देख अगल-बगल के व्यापारियों ने भी विरासत गलियारे की जद में आया अपना हिस्सा तोड़ना शुरू कर दिया है। जानकारों का कहना है कि पूर्व मंत्री के परिवार ने नहीं बन सकी। चहारदीवारी के विरासत गलियारे की जद में आने के बाद पूर्व मंत्री के परिवार ने खुद से ही मजदूर लगवाकर उसे तुड़वाना शुरू किया। बुधवार दोपहर के समय एक कारीगर चहारदीवारी पर ताकत लगाकर हथौड़ा चला रहा था, लेकिन मशक्कत के बाद टूट रही थी। कारीगर ने कहा कि इतनी मजबूत दीवार है, इस समय ऐसा बन पाना मुश्किल है। पूर्व मंत्री स्व. पंडित हरिशंकर तिवारी के पुत्र और संतकबीरनगर के पूर्व सांसद भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल तिवारी ने कहा कि विरासत गलियारा के सीमांकन में हाता की चहारदीवारी भी जद में आ गई। अंदर नई चहारदीवारी का निर्माण कराकर पुरानी तुड़वाई जा रही है।

एसआईटी सुलझाएगी गुत्थी, युवती ने खुद भेजा था मैसेज- मैं कैफे पहुंच रही हूं; सीपी को मिले सबूत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। सीपी मोहित अग्रवाल ने वाराणसी में हुए सामूहिक दुष्कर्म को लेकर विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही यह भी बताया कि अब यह केस एसआईटी देखेगी।

कई तरह के सवाल हैं, जिन पर गहनता से जांच होगी। वाराणसी में हुए सामूहिक दुष्कर्म प्रकरण में गुरुवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने अपने कार्यालय में अब तक की गई कार्रवाई के बारे में विस्तार से बताया। सीपी ने कहा कि इस मामले की जांच अब एसआईटी करेगी। 30 दिन के अंदर रिपोर्ट मांगी गई है। इससे पहले आरोपी के परिजनों ने सीपी को ज्ञापन सौंपा है। कहा कि अगर इतने दिनों से लड़की के साथ गलत काम हो रहा था तो वह पुलिस के पास क्यों नहीं गई?सीपी ने कहा कि ज्ञापन में कहा गया है, लड़की के शरीर पर कोई निशान नहीं हैं, यह बड़ा सवाल और जांच का विषय है। परिजनों ने यह भी कहा कि कथित दुष्कर्म मामले में लड़की के आरोपी के परिजनों से पैसे मांगे जा रहे हैं। आरोपियों के परिजनों ने कई सबूत भी उपलब्ध कराएं हैं। वीडियो और इंस्टा के चैट भी हैं।बताया कि चैट में युवती आरोपी लड़के से कैफे में आने की बात लिख रही है। लड़की ने खुद लिखा है कि मैं कैफे में पहुंच रही हूं...। यह चैटिंग 2-3 अप्रैल की है, जिस अवधि में लड़की खुद को बंधक बता रही थी। सीपी ने कहा कि यह भी जांच का विषय है कि युवती की सहेली का घर उसके घर से मात्र 500 मीटर की दूरी पर है, तो उसने अपने माता-पिता से इस दौरान क्यों नहीं बातचीत की पुलिस आयुक्त ने परिजनों को आश्वस्त किए कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी तभी होगी, जब एसआईटी उनके खिलाफ कोई सबूत पेश करेगी। ये भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति के साथ धनउगाही न हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते शुक्रवार यानी 11 अप्रैल को अपने वाराणसी दौरे के दौरान शहर में कुछ दिन पूर्व घटी सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए त्वरित और कड़ा रुख अपनाया है। वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरते ही उन्होंने पुलिस आयुक्त, मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से इस मामले में विस्तृत जानकारी ली प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस जघन्य अपराध के सभी दोषियों को चिह्नित कर उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही, उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए व्यापक और प्रभावी व्यवस्थाएं करने पर जोर दिया बता दें कि बीते दिनों वाराणसी में 19 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने 12 नामजद सहित 11 अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस मामले में अबतक 14 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

सामूहिक दुष्कर्म केस में कार्रवाई को लेकर प्रदर्शन, पुलिस ने 14वें आरोपी को भेजा था जेल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी में युवती के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस की कार्रवाई जारी है। दूसरी तरफ, इस कार्रवाई को लेकर 19 वर्षीय युवती से सामूहिक दुष्कर्म के 14वें आरोपी नरपतपुर डुबकियां के मूल निवासी और हुकुलगंज में रहने वाले राज खान को बुधवार को लालपुर पांडेयपुर थाने की पुलिस दिया गया था। अब तक 11 में से दो अज्ञात आरोपियों की पहचान हुई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब नौ अज्ञात आरोपियों की पहचान में लगी है। होटल,

गुरुवार को मुख्यालय पर प्रदर्शन किया गया। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्दोषों का शोषण किया जा रहा है। सामूहिक दुष्कर्म के मामले में हो रही कार्रवाई को लेकर जिला मुख्यालय पर गुरुवार की सुबह लोगों ने अपनी नाराजगी जताई। कहा कि इस मामले की आड़ में पुलिस निर्दोषों पर कार्रवाई कर रही है। हाथ में तख्तियां लेकर महिलाओं और बच्चियों के साथ अन्य लोगों ने प्रदर्शन किया।खजुरी इलाके की ने अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। मामले के नौ और अज्ञात आरोपियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है। लालपुर पांडेयपुर थाने में गत सात अप्रैल की सुबह 12 नामजद और 11 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया था। नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करके पहले ही जेल भेज रेस्टोरेंट और स्पा के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पीड़िता के बयान, सीसी फुटेज और सर्विलांस की मदद से पुलिस ने मंगलवार को मामले के 14वें आरोपी राज खान को गिरफ्तार किया गया था। एसीपी कैंट विदुष सक्सेना ने बताया कि अब तक 14 आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। अन्य अज्ञात को चिह्नित कर जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

हादसे में युवक की दर्दनाक मौत, दूसरा गंभीर रुप से जख्मी-जानिए कैसे हुआ हादसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। संत कबीर नगर में सड़क हादसे के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक घायल हो गया। मृतक गोरखपुर जिले के सहजनवा का रहने वाला था। घनघटा क्षेत्र के हैसर के पास बुधवार की देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा युवक घयल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गौरखपुर के सहजनवा क्षेत्र

के गहासाद निवासी 28 वर्षिय राहुल सिंह पुत्र दिनेश सिंह शादी में हैसर आये थे। देर रात हैसर के पास अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया, जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई।

कर्ज के दबाव में दुनिया छोड़ दी, किस्त के फंदे ने छीन ली सांसें- आखिर क्या है दर्द भरी कहानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। जिउत की मौत के बाद पत्नी रेखा बदहवाश है। उस पर दो बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी आ गई है। सांत्वना देने पहुंच रहे

आसपास के लोगों से सह कह रही है कि पति बहुत तनाव में थे। ये बात उसे पहले पता होती तो किस्त का पैसा जमा करने के लिए दबाव नहीं बनाती और आज वह साथ होते। कसिहार (गोरखपुर)। परिवार के भरण पोषण के लिए जिउत ने पहले सूदखोरों से कर्ज लेकर दुकान खोली। ब्याज की रकम बढ़ने लगी तो माइक्रो फाइनेंस कंपनी से समूह लोन लिया। हालांकि इस लोन से वह केवल सूदखोर का ब्याज ही चुका सका। कर्ज जस का तस बना रहा और माइक्रो फाइनेंस कंपनी का भी लोन बढ़ता गया।इसे चुकाने के लिए दोनों तरफ से दबाव बढ़ा तो हारकर उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। बेलीपार थाना क्षेत्र के रुद्राईन उर्फ मझिगांवा के जिउत बंधन गुप्ता की पत्नी रेखा ने बताया कि परिवार की आर्थिक हालत खराब थी। पति ने किराने की दुकान खोलने का मन बनाया। इसके बाद गांव के सूदखोरों से ब्याज पर करीब डेढ़ लाख रुपये ले लिए।दुकान से कमाई इतनी नहीं थी कि वह सूदखोर का ब्याज भी दे पाए। सूदखोर लगातार दबाव बना रहे थे। कर्ज का ब्याज बढ़ता देख जीउत ने माइक्रो फाइनेंस कंपनी से लोन लेने के लिए पत्नी रेखा को शामिल करते हुए कुछ महिलाओं का समूह बनाया। समूह के नाम पर आरबीएल माइक्रो फाइनेंस से 35 हजार रुपये, नॉर्दन आर्क कैपिटल और प्रगति फिनसर्व प्राइवेट लिमिटेड से 50 हजार, बेलस्टार माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड से 50 हजार रुपये का लोन लिया। हालांकि इससे पहले के कर्ज का सिर्फ ब्याज ही चुकाया जा सका रेखा ने बताया

सोनभद्र में दो लोगों की मौत सड़क पर खून ही खून, हादसे के बाद वाहन लापता; खोज रही पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। आसपास के लोगों से पूछताछ

के बाद शवों को कब्जे में ले लिया गया। वहीं, परिजन भी अस्पताल में पहुंच गए थे। रॉबर्ट्सगंज-घोरावल मार्ग पर मुड़ीलाडीह गांव के समीप नन्हकूराम पीजी कॉलेज के मोड़ के पास बुधवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बेकाबू वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक समेत दो लोगों की मौत हो गई। घटना बुधवार की रात लगभग साढ़े दस बजे हुई।बाइक सवार दो व्यक्तियों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान महेंद्र सिंह पटेल (29) पुत्र चंद्रशेखर पटेल और रामसूरत पटेल (52) पुत्र तिलकधारी के रूप में हुई है। दोनों कुसुम्हा गांव थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र के निवासी थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी लोढ़ी भेज दिया गया। फिलहाल अज्ञात वाहन चालक की तलाश जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बेटी के सामने मां की हत्या, एक वार में खोल दिया सिर, आरोपी देवर ने भाई को भी नहीं छोड़ा; जानें मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। महिला की पीट-पीट कर हत्या की जानकारी मिलते ही मौके पर कोन थाने की पुलिस भी पहुंच गई। इससे पहले आरोपी भाग

गया। खबर लिखे जाने तक उसकी तलाश की जा रही थी। महिला अपने देवरानी को बचाने गई थी, इसी से देवर नाराज हो गया। सोनभद्र में कोन थाना क्षेत्र के निगाई गांव में गुरुवार को देवरानी के बचाव में आई महिला की देवर ने लाठी-डंडे से पीटकर जान ले ली। घटना के बाद आरोपी देवर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।निगाई गांव निवासी सुनील पासवान गुरुवार की सुबह शराब पीने के लिए घर में रखा महुआ लेकर बेचने जा रहा था। पत्नी ने उसे रोकते हुए ऐसा करने से मना किया तो वह भड़क उठा। लाठी-डंडे से उसकी पिटाई करने लगा। भतीजी ने इसका विरोध किया था।देवरानी को पिटता देख बगल में रह रही मालवंती (35) पत्नी गोविंद पासवान दौड़कर वहां पहुंची और बीच-बचाव करने लगी। बताते हैं कि सुनील इससे उग्र होकर भाभी को ही पीटने लगा। सिर पर लाठियों से गंभीर चोट आने से मालवंती की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सुनील मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर कोन एसओ गोपालजी गुप्ता फोर्स के साथ पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर छानबीन की। एसओ ने बताया कि देवर ने मालवंती की लाठी से पीटकर जान ले ली है। उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राप्ती नदी पर बन रहे पुल का पिलर झुका काम भी रुका जानिए क्यों हुई दिक्कत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। पुल के बीच में पानी के अंदर करीब 4.5 मीटर नीचे गहराई में पत्थर का स्लैब है। इस कारण बीच नदी में पिलर का काम सुस्त

पड़ा है। पत्थर तोड़ने के लिए लखनऊ से हैवी क्षमता की पोकलेन मशीन मंगाई गई है। काम कर रहे लोगों का कहना है कि नदी के बीच में नीचे सीमेंटेड स्लैब है। राप्ती नदी पर राजघाट पुल के दोनों तरफ दो-दो लेन के पुल का निर्माण चल रहा है। एक तरफ नदी के बीच में बना पिलर झुक गया है, जिसकी वजह से यहां का काम रुक गया है। बताया जा रहा है कि नदी में पत्थर होने से पिलर झुका है। अब पत्थर तोड़ने के लिए हैवी पोकलेन मशीन मंगाई गई है।राप्ती नदी के पुल के दोनों ओर दो-दो लेन के एक-एक नए पुल का निर्माण चल रहा है। नौसड़ से टीपीनगर की लेन में 11 पिलर बनाए जा रहे हैं। 10 पिलर का काम तेजी से चल रहा है, लेकिन बीच का एक पिलर झुक गया है। बरसात से पहले है। इस कारण बीच नदी में पिलर का काम सुस्त पड़ा है। पत्थर तोड़ने के लिए लखनऊ से हैवी क्षमता की पोकलेन मशीन मंगाई गई है। काम कर रहे लोगों का कहना है कि नदी के बीच में नीचे सीमेंटेड स्लैब है। शायद पुराना पुल बनाते समय सुरक्षा के लिए इसका चौड़ा आधार बनाया गया हो। बुधवार को बीच वाले पिलर का काम ठप पड़ा था। इसे छोड़कर बाकी 10 पिलर का काम तेजी से चल रहा है। मौके पर काम करने वाले मजदूरों का कहना है कि पानी में डूबकर पत्थर काटने वाले पांच लोगों को हरियाणा से बुलाया गया था, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। इसके बाद लखनऊ से पत्थर काटने वाली हैवी क्षमता की पोकलेन मशीन मंगाई गई, जिसकी मदद से पानी के अंदर स्लैब तोड़ा जा रहा है।

मिर्जापुर, सोनभद्र

हत्था की निष्पक्ष जांच के साथ सुरक्षा की गुहार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। नैनी थानान्तर्गत मामा भांजा तालाब चकदेवानंद निवासी सुनील कुमार ने सुरक्षा की गुहार लगायी है। उसका आरोप है कि उसके मां के हत्यारे उसे भी जान से मारने की धमकी दे रहे हैं सुनील कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि गत 15 मार्च को उसकी लीलावती की हत्या कर दी गयी। जब वह दूध देने गयी थी,पैसा मांगने के विवाद में निर्ममता पूर्वक उसे मार डाला गया। इसमें राधेश्याम को पुलिस ने जेल भेजा किन्तु मामले को हल्का कर दिया जिससे वह जेल से जल्द छूट गया। अब वह धमकी दे रहा है। सीसीटीवी में पूरा मामला कैद है। वहाँ पहुंचे सिपाही सबूत मिटा रहे थे। अन्य नामजद अभी भी पकड़े नही गये जो अब उसे धमकी दे रहे। मां की हत्या की निष्पक्ष जांच के साथ धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग सुनील ने की है।

25 हजार का इनामी गोतस्कर गिरफ्तार असलहा बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीना द्वारा अपराध एवं वांछित भी है और उसकी गिरफ्तारी पर 25,000/- (पच्चीस हजार रुपये) का पुरस्कार भी घोषित है।

अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (आपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी के निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी सदर रणधीर कुमार मिश्र के कुशल पर्यवेक्षण मे अवैध शस्त्र/विस्फोटक पदार्थ व मादक पदार्थ की बरामदगी के क्रम में बुधवार को थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि एक व्यक्ति अवैध तमंचा लेकर सिलथम बाजार की तरफ आ रहा है जो थाना रॉबर्ट्सगंज से गोवध के मुकदमें में उक्त सूचना पर थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा सिलथम बाजार से अभियुक्त संजय हरिजन पुत्र रामकुवंर हरिजन निवासी सरईगढ़ टोला खदरा चौकी सरईगढ़ थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 35 वर्ष को एक अदद तमंचा (.315 बोर)व 01 अदद जिन्दा कारतूस (.315 बोर) बरामद कर गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के संबंध में थाना रामपुर बरकोनिया पर मु0अ0सं0 - 31/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय रवाना किया गया। वही पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से कड़ाई से पूछताछ करने पर अभियुक्त संजय हरिजन के द्वारा बताया गया कि वह पिकप से गोवंशो को लादकर बिहार पहुचाने का काम करता है। वह अलग-अलग समय पर अलग-अलग लोगो की गाड़ी चलाकर पिकप मे गोवंशो को क्रुरता पूर्वक लादकर वध हेतु बिहार लेकर जाता है। उसे पिकप चलाने के एवज में प्रति खेप उसे 10,000/- रुपये मिलते हैं। गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा यह भी बताया गया कि उसे जानकारी थी कि उसे रॉबर्ट्सगंज पुलिस भी खोज रही है। क्योकि एक बार वह सुकृत में गोवंश की गाड़ी लोड़कर बिहार लेकर जाने की फिराक में था तभी पुलिस के आने पर मौके से भाग निकला था, उसी के बाद से वह अपनी सुरक्षा के लिये तमंचा रखता है। वह कई बार जेल भी गया है। वह दारु पीने के लिये सिलथम बाजार शराब के ठेके पर जा रहा था तभी आप लोगों ने पकड़ लिया गया गिरफ्तारी करने वाली टीम-में थानाध्यक्ष कमल नयन दूबे थाना रामपुर बरकोनिया ,उ0नि0 वीरेन्द्र राय , नरेन्द्र सिंह यादव दीपक मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

यातायात व्यवस्था को लेकर एएसपी ने की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र स्थित सभागार कक्ष में व्यापारी सुरक्षा के सम्बन्ध में जनपद के प्रमुख व्यापारियों, उद्यमियो, पेट्रोल पम्प मालिकों व बैंक मित्रों के साथ गोष्ठी आयोजित की गयी । गोष्ठी में जनपद के प्रमुख व्यापारियों, उद्यमियों, पेट्रोल पम्प मालिकों व बैंक मित्रों के साथ उनकी सुरक्षा एवं आगामी त्यौहार के दृष्टिगत नगर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ करने के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया । इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा व्यापारियों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से अपने-अपने दुकानों/संस्थानों मे सीसीटीवी कैमरे का प्रयोग अनिवार्य रूप से करने हेतु बताया गया । साथ ही साथ उनकी समस्याओं के विषय मे जानकारी की गयी व उनके निराकरण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा उनको सुरक्षा के सम्बंध मे पुलिस द्वारा हरसम्भव मदद का भरोसा दिलाया गया । इस मौके पर जनपद के व्यापारीगण/पेट्रोल पम्प मालिक/सर्राफा व्यापारी/बैंक मित्र मौजूद रहे ।

बिजली के निजीकरण के खिलाफ भाकपा कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। वृहस्पतिवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्यव्यापी आवाहन पर जिला कौंसिल सोनभद्र के कार्यकर्ताओं ने बिजली के निजीकरण के खिलाफ जुलूस निकाल कर जिला मुख्यालय पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और

बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया पर रोक लगाने, सांकेतिक हड़ताल के दौरान हटाये गए संविदा कर्मियों को बहाल करने, उत्पीड़न की कार्यवाही पर रोक लगाने आदि छ मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। जहां पार्टी नेताओं ने धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्यव्यापी आवाहन पर जिला कौंसिल सोनभद्र ,पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के खिलाफ इस धरना / प्रदर्शन के माध्यम से कहना चाहते हैं कि - पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय व्यापक जनहित में एवं बिजली उपभोक्ताओं तथा बिजली कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए वापस लिया जाये। - निजीकरण की दृष्टि से बिजली कर्मियों की रियायती बिजली की सुविधा समाप्त करने हेतु स्मार्ट मीटर लगाने के आदेश को तत्काल वापस लिया जाये। - निजीकरण की दृष्टि से बड़े पैमाने पर संविदा कर्मियों को हटाये जाने का आदेश निरस्त किया जाये। मार्च 2023 में सांकेतिक हड़ताल के दौरान हटाये गये सभी संविदा कर्मियों को उर्जा मंत्री के 19 मार्च 2023 की घोषणा एवं समझौते के पालन में तत्काल काम पर रखा जाये, साथ ही उर्जा मंत्री के 19 मार्च 2023 की घोषणा व समझौते के क्रियान्वयन में बिजली कर्मचारियों पर की गयी समस्त कार्यवाहियां वापस ली जायें। 800 मेगावाट क्षमता की ओबरा 'डी' परियोजना एवं 2 800 मेगावाट क्षमता की अनपरा 'ई' परियोजना का कार्य व्यापक जनहित में उ. प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम को पूरी तरह सौंपा जाये। - पारेषण में टेरिफ बेस्ड कॉम्पटीटिव बिडिंग के नाम पर कई परियोजनाओं का निजीकरण का निर्णय वापस लिया जाये।- 29 जनवरी 2000 के समझौते के अनुरूप उ. प्र. राज्य विद्युत परिषद परिषद के विघटन के फलस्वरूप हुई भारी क्षति को देखते हुए उ. प्र. पावर कारपोरेशन लि. उ.प्र. , जल विद्युत निगम लि. उ. प्र. , राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि. उ. प्र. पारेषण निगम लि. और समस्त विद्युत वितरण निगमों का एकीकरण कर यू. पी. एस. ई. बी. लि. का पुनर्गठन किया जाये आदि मांगों को वक्ताओं ने उठाया। इस दौरान प्रमुख रूप से पार्टी जिला सचिव कामरेड आर वेद शर्मा, जिला कार्यकारिणी सदस्य कामरेड बसावन गुप्ता, कामरेड चंदन प्रसाद, कामरेड रामजतन, कामरेड अमरनाथ सूर्य, कामरेड संजय रावत, सूरज बंसल, ज्योति कुमार, नितेश कुमार मौर्य, ज्ञान प्रकाश, सुजित सिंह, राजेश सिंह, विरेन्द्र सिंह गोंड,राज कुमार, रमेश, लीलाधर विश्वकर्मा, मैनेजर, मुन्ना सिंह खरवार, अमरनाथ अगरिया, पंचू यादव, दूर्योधन व गुलाब धांगर आदि के साथ साथ दर्जनों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एआरटीओ को ज्ञापन सौंपकर इस पर तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शादी-विवाह के लगन में स्कूल वाहनों की बुकिंग किए जाने तथा बरात ले जाने का निजी बस संचालकों ने कड़ा विरोध किया है। प्राइवेट बस एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय ने एआरटीओ को ज्ञापन सौंपकर इस पर तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की है। पत्र के माध्यम से बताया कि आए दिन लगन के दिनों में प्राइवेट विद्यालयों के बसों से जिले के रामगढ़, खलियारी घोरावल, शाहगंज, रॉबर्ट्सगंज, ओबरा, चोपन संचालन किया जा रहा है, जो नियम विरुद्ध है। कहा कि रामगढ़, खलियारी, घोरावल, शाहगंज, रॉबर्ट्सगंज, ओबरा, चोपन में स्कूली बसों के संचालन से राजस्व की हानि हो रही है। अप्रैल-मई माह में स्कूल हॉफ टाइम हो जाता है। सुबह-शाम स्कूली बस संचालक की तरफ से अपने वाहनों को शादी पार्टी में धड़ल्ले से संचालन किया जा रहा है। इस पर कार्रवाई किए जाने की मांग की। साथ ही सभी प्राइवेट विद्यालय संचालकों को इस संबंध में निर्देश जारी किए जाने की भी मांग की।

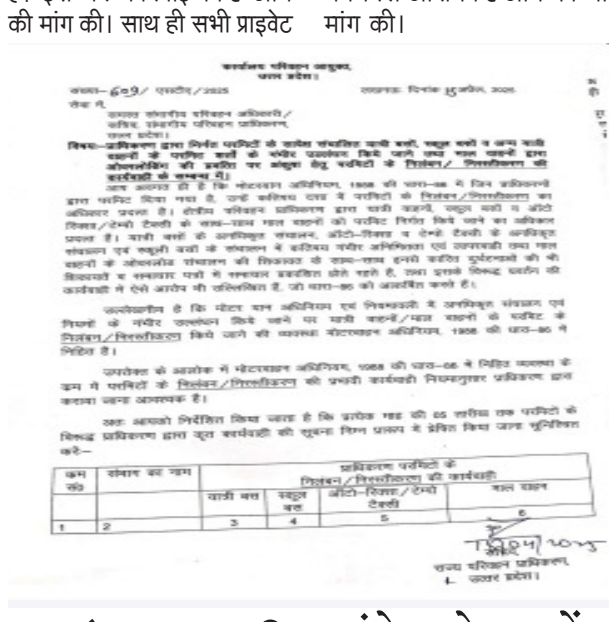

अपना दल एस मीडिया सचिव के निधन से पार्टी में शोक की लहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार देर शाम रॉबर्ट्सगंज घोरावल मार्ग पर मुल्लडीह शाहगंज में वैवाहिक कार्यक्रम से घर को लौट रहे बाइक सवार दो लोग भारी वाहन के चपेट में आ गए जिससे उनकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी पुलिस दोनों शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर जिला अस्पताल लोढ़ी भिजवा दिया। मृतकों की पहचान ग्राम कुसुम्हां पोस्ट मुल्लाहडीह घोरावल अपना दल एस के जिला मीडिया सचिव महेंद्र पटेल पुत्र चंद्रशेखर सिंह पटेल (24 वर्ष)और साथ में बैठे उनके गांव निवासी रामसूरत पटेल पुत्र स्व.तिलकधारी (55वर्ष) थे। इस दुखद घटना से अपना दल एस पार्टी में शोक की लहर है। अपना दल एस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखते हुए कहा कि समर्पित और कर्मठ्या कार्यकर्ता का सड़क दुर्घटना में निधन होना पार्टी के लिए अभूतपुर छती है, पूरी पार्टी उनके परिवार के साथ खड़ी है। और इस बाबत में जिला अध्यक्ष अंजनी पटेल ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि महेंद्र पटेल एक पार्टी के सच्चे सिपाही थे जो पार्टी के लिए 24 घंटे समर्पित थे सभी के दिलों पर राज करते थे सड़क दुर्घटना में उनका दुखद निधन होना हम सभी के लिए बहुत ही दुखदाई है हम सभी पार्टी के कार्यकर्ता उनके परिवार के साथ हैं।

प्लास्टिक मुक्त अभियान का प्रतीक चिन्ह डीएम सीडीओ को भेट कर शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। प्लास्टिक मुक्त अभियान को व्यापक बनाने के लिए तथा इसको जन जन तक पहुंचाने के लिए एवं जनपद में चल रहे प्लास्टिक मुक्त अभियान का प्रतीक चिन्ह सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को भेंट किया जाएगा। प्रतीक चिन्ह में बोरी लगाया गया है। क्यों कि सभी कूड़ो से प्लास्टिक को अलग किया जाना अत्यंत जरूरी है क्यों कि प्लास्टिक जैसे ही किसी कूड़े में या जमीन पर मिलता है नुकसान शुरू हो जाता है। घरों पर घर से ही बोरी मांगी जा रही है जिससे लाभार्थी का सहयोग और जुड़ाव इस अभियान से हो सके।प्रतीक चिन्ह में एक बोरी लगाया गया है जिस पर मेरा प्लास्टिक- मेरी जिम्मेदारी लिखा हुआ है तथा प्रतीक चिन्ह परक्ष्प्लास्टिकञ् मुक्तञ् सोनभद्र लिखा हुआ है, जिससे सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए इस हेज टैग को प्रमोट किया जा सके। आज जिला पंचायत अधिकारी नमिता शरण ने जिलाधिकारी सोनभद्र बद्री नाथ सिंह और मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी को प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनके टेबल पर रखा गया। जिस पर जिलाधिकारी बी एन सिंह द्वारा कहा गया कि यह प्रतीक चिन्ह जनपद में चल रहे मेरा प्लास्टिक मेरी जिम्मेदारी अभियान का एक अच्छा चिन्ह बनाया है जिससे प्लास्टिक को लेकर अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराएगा। उन्होंने लोगो से अपील की कि यह अभियान बहुत ही सरल है जिससे हम पर्यावरण को बचा सकते हैं, लोगों को केवल इतना करना है कि घर पर एक बोरी टांगें एवं प्रयोग किए हुए सभी प्लास्टिक उसी बोरी में रखें जिससे की प्लास्टिक वातावरण में नहीं फैलेगा और उसे पर्यावरण, मनुष्य तथा लोगों को नुकसान नहीं होगा। प्लास्टिक बोरी में रखने से नाला एवं नालियां चोक नहीं होंगी। नदियां और समुद्र में प्लास्टिक नहीं जाएगा। बोरी में से कलेक्ट हुए प्लास्टिक को निस्तारण के लिए भेज दिया जाएगा। कुछ प्लास्टिक को बेचकर ग्राम पंचायत का आए भी बढ़ेगा। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने कहा कि यह चिन्ह अभियान के जिम्मेदारी को दर्शाता है। जिला पंचायत अधिकारी नमिता शरण ने बताया कि यह प्रतीक चिन्ह जनपद के समस्त अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को भेंट किया जाएगा तथा इसके जरिए भी इस अभियान को जन जन तक पहुंचाया जाएगा।

चिन्हित स्थान से सवारी भरेंगे प्राइवेट वाहन बस ऑटो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिला मुख्यालय पर यातायात व्यवस्था को लेकर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव और यातायात निरीक्षक अविनाश सिंह द्वारा गुरुवार को घोरावल पन्नूगंज मधुपुर कर्म ओबरा अनपरा दुद्धी रूट स्टैंड को लेकर चिन्हित स्थानों का निरीक्षण किया गया जिसमें इधर-उधर खड़े होने वाले बस ऑटो को स्थान चिन्हित करते हुए वहीं से वाहन संचालन करने को निर्देशित किया जाएगा जिससे की मार्केट में किसी प्रकार से जाम की स्थिति उत्पन्न ना हो पाए । वहीं अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव ने बताया कि बस स्टैंड ऑटो स्टैंड को लेकर स्थान का मुआयना किया गया है अभी काफी चिन्हित जगह पर अतिक्रमण है जिसको खाली कराकर स्टैंड बनवाया जाएगा कल से कार्य शुरू हो जाएगा । वही आज यातायात प्रभारी निरीक्षक अविनाश सिंह ने बताया कि घोरावल मधुपुर कर्म बस स्टैंड धर्मशाला स्थित फ्लाईओवर के नीचे चिन्हित किया गया है खड़ीयारी अनपरा ओबरा वह अन्य बस स्टैंड के लिए नवीन मंडी के समीप फ्लाईओवर के नीचे स्थान चिन्हित किया गया है वहीं आसपास बैरिकेडिंग कराकर ऑटो की भी स्टैंड निर्धारित किया जाएगा।

कांग्रेस योजना में भाजपा का सौतेला रवैया : राघवेंद्र नारायण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। एनएसयूआई कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय सचिव राघवेंद्र नारायण ने सोनभद्र जनपद में हजारों मनरेगा मजदूरों के दिसंबर माह से लंबित भुगतान और भुखमरी के कगार पर पहुंचने पर गहरा छोभ व्यक्त किया है। उन्होंने राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा की हजारों मजदूरों का पिछले 150 दिनों से अपनी मजदूरी के लिए तरस रहे हैं। ये हमारे गांवों के गौरव हैं, लेकिन सरकार की बेरुखी ने इन्हें भूख और बेबसी के मुहाने पर ला खड़ा किया है। राघवेंद्र नारायण ने बताया कि मनरेगा मजदूरी 237 रुपये प्रतिदिन है, और हर परिवार को सालाना 100 दिन काम की गारंटी कांग्रेस शासन काल की योजना है । मगर 2024-25 में अब तक महज सिर्फ 40ञ् मजदूरों को ही औसतन 50 दिन का काम मिल सका है , वह भी बिना भुगतान के, सोनभद्र जनपद में 32 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया 5 माह से मजदूरी का भुगतान रुका हुआ है । मजदूरों के घरों में चूल्हे नहीं जल रहे, बच्चे भूख से तड़प रहे हैं, और परिवार कर्ज के जाल में फंसते जा रहे हैं, यह सरकार की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है । उन्होंने सरकार की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि कर्मचारियों और प्रधानों की मजबूरी है एक तरफ सरकार का काम पूरा कराने का दबाव दूसरी तरफ मजदूरों का विरोध इसी के बीच फंस कर वो पीस रहे है। रोजगार सेवक, सेक्रेटरी, तकनीकी सहायक और प्रधानों की भी तकलीफ को उन्होंने बयां किया। और कहा की आवास आवंटन का सर्वे चल रहा है, लेकिन मजदूरी न मिलने से मजदूरों का आक्रोश बढ़ गया है। पिछले 3 माह में 70 से ज्यादा गांवों में काम रुके हुए है। प्रशासन दबाव डाल रहा है, और मजदूर सवाल पूछ रहे हैं ? कर्मचारियों और प्रधानो का गांव में घूमना मोहाल हो गया है गांवों में मजदूर अक्सर घेर ले रहें हैं , और किसी के पास सरकार के नकारेपन का कोई जवाब नहीं है। राघवेंद्र नारायण ने खुलासा किया कि 2024-25 में सोनभद्र के लिए 150 से अधिक मनरेगा परियोजनाएं स्वीकृत हुईं, जिनमें राशन दुकानें, आंगनबाड़ी भवन और तालाब जैसे तमाम काम शामिल हैं। ठलेकिन भुगतान न होने से 50ञ् से ज्यादे कार्य ठप पड़े हैं। मजदूर कहते हैं, 'पैसा दो, तभी काम करेंगे।' यह हाल सरकार की नाकामी का आईना है। राघवेंद्र नारायण ने सरकार पर तंज कसा और कहा कि भाजपा का मनरेगा विरोधी, मज़दूर विरोधी, और रोज़गार विरोधी चेहरा बेनकाब हो गया है । कांग्रेस ने मनरेगा के तहत 14.28 करोड़ ग्रामीण मजदूरों को रोजगार का हक दिया था। मगर भाजपा इसे खत्म करने पर तुली है। 2023-24 में उत्तर प्रदेश का मनरेगा बजट सिर्फ 3.04ञ् बढ़ा, जो देश में सबसे कम है, जबकि तमिलनाडु में यह 7.89ञ् था। 2022-23 में 5.53 करोड़ जॉब कार्ड हटाए गए, जिसमें गरीबों का हक छीना गया। यह मजदूरों के साथ विश्वासघात है।15 दिन में भुगतान देने की मांग की है , वरना सड़कों पर परिणाम भुगतने को तैयार रहें । राघवेंद्र ने प्रदेश की योगी सरकार और आयुक्त से मांग की, सोनभद्र के मजदूरों का 32 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया 15 दिनों में चुकाएं। हमारे मेहनतकश भाई-बहनों और उनके बच्चों का भविष्य खतरे में है। अगर सरकार चुप रही, तो हमारी पार्टी मजदूरों और कर्मचारियों के साथ मिलकर सड़कों पर उतरेगी और इस अन्याय के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेगी।

अतुलदीप ने राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में जीता कांस्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत अतुलदीप ने राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है। उन्होंने झांसी में 4 से 15 अप्रैल तक आयोजित 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व किया था।प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। टीम ने कांस्य पदक के मुकाबले में मणिपुर को पराजित किया। फाइनल मुकाबला पंजाब और मध्य प्रदेश के बीच खेला गया, जिसमें पंजाब ने जीत दर्ज कर पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर रहा। वाराणसी के लक्ष्मणपुर, भोजूबीर के निवासी अतुलदीप वाणिज्य विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वे पिछले नौ वर्षों से भारतीय रेलवे और उत्तर प्रदेश की हॉकी टीम में पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए लगातार पदक जीतते आ रहे हैं।

ठेला से टक्कर लगने पर सफारी सवार ने किया अपहरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के सारीपुर के पास बुधवार की रात 10 बजे एक सफारी से ठेला टकरा गया। इस पर ठेले वाले से पैसे को लेकर विवाद हुआ।कुछ देर में लोगों की भीड़ जुटने लगी। सफारी सवार ठेला चालक को अपने वाहन में बैठाकर चले गए। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को अपहरण की सूचना दी। बाद में पुलिस ने चील्ह से ठेला चालक को बरामद कर आरोपियों को पकड़ लिया। शहर कोतवाली क्षेत्र की सारीपुर मोहल्ले में बारात आई थी। इसमें जौनपुर से सफारी से कुछ लोग आए थे। बरातियों की सफारी से ठेला टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। इस पर सफारी सवार ठेले वाले से पैसे मांगने लगे, जिसको लेकर विवाद शुरू हो गया।लोगों की भीड़ जुटने लगी तो सफारी सवार ठेला चालक डब्लू को अपने वाहन में बैठाकर गए गए। अपहरण की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की। शहर कोतवाली नीरज पाठक ने बताया कि ठेले से सफाई की टक्कर हुई थी। हर्जाने की बात चल रही थी। इसी बीच सफारी सवार ठेले वाले को लेकर चले गए। चील्ह इलाके के के पुरजागिर से आरोपियों को पकड़कर ठेला चालक को बरामद कर लिया। आरोपियों ने बताया कि ठेला चालक को लेकर पुलिस के पास आ रहे थे। मामले की जांच की जा रही है।

स्पोर्ट्स

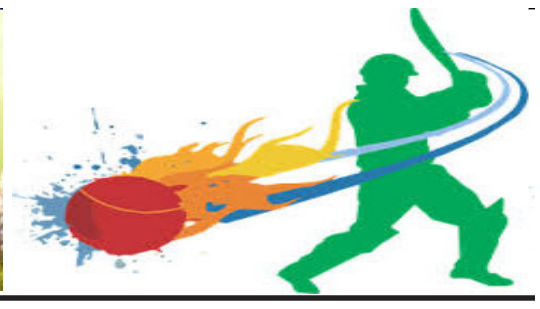

2022 के बाद पहली बार आईपीएल में सुपर ओवर से निकला नतीजा, राजस्थान को हराकर शीर्ष पर पहुंची दिल्ली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राजस्थान ने सुपर ओवर में 11 रन बनाए थे, लेकिन दिल्ली ने चार गेंदों पर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर ओवर में दिल्ली के लिए केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स आए थे और स्टब्स ने छक्का लगाकर दिल्ली को जीत दिलाई। दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के मैच में सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स को हराया। राजस्थान ने सुपर ओवर में 11 रन बनाए थे, लेकिन दिल्ली ने चार गेंदों पर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर ओवर में दिल्ली के लिए केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स आए थे और स्टब्स ने छक्का लगाकर दिल्ली को जीत दिलाई। 2022 के बाद यह पहली बार है जब आईपीएल में किसी मैच का नतीजा सुपर ओवर के जरिये निकला है। इस जीत के साथ ही दिल्ली की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर आ गई। उसके छह मैचों में पांच जीत और एक हार के साथ 10 अंक हो गए हैं। आईपीएल में अब तक 15 मैच टाई रहे हैं। सुपर ओवर में दिल्ली का रिकॉर्ड अच्छा रहा है और उसने पांच में चार मुकाबले जीते हैं। दिल्ली ने सुपर ओवर में राजस्थान को हराने से पहले 2021 में सनराइजर्स हैदराबाद, 2020 में पंजाब किंग्स, 2019 में कोलकाता नाइट राइडर्स और 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को हराया था। हालांकि, 2013 में उसे सुपर ओवर में आरसीबी के हाथों हार मिली थी। दिल्ली की टीम आईपीएल में सबसे ज्यादा सुपर ओवर मैच जीतने वाली टीम बन गई है। उसने इस मामले में पंजाब किंग्स को पीछे छोड़ा जिसने चार मैचों में तीन बार सफलता हासिल की है। दिल्ली और राजस्थान के बीच 20 ओवर की समाप्ति के बाद स्कोर बराबरी पर छूटा जिसके बाद मैच का फैसला सुपर ओवर से कराने का फैसला हुआ। दिल्ली ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाए थे।

राजस्थान की टीम यशस्वी जायसवाल और नीतीश राणा के अर्धशतकों के अच्छी स्थिति में दिख रही थी, लेकिन टीम निर्धारित ओवर में चार विकेट पर 188 रन ही बना सकी। इस तरह मुकाबला बराबरी पर छूटा। सुपर ओवर में हालांकि, राजस्थान की टीम पूरे छह गेंद भी नहीं खेल सकी और उसने पांच गेंदों पर दो विकेट गंवा दिए। इस तरह दिल्ली को सुपर ओवर में लक्ष्य हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई। सुपर ओवर में बल्लेबाजी के लिए सबसे पहले राजस्थान की टीम उतरी। राजस्थान की ओर से शिमरॉन हेटमायर और रियान पराग बल्लेबाजी के लिए आए, जबकि दिल्ली ने तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को गेंद थमाई। पहली गेंद पर कोई रन नहीं आया और दूसरी गेंद पर हेटमायर ने चौका लगाया। तीसरी गेंद पर हेटमायर ने एक रन लिया और स्ट्राइक पर पराग आए। चौथी गेंद पर पराग ने चौका लगाया, लेकिन यह नो बॉल करार दी गई। स्टार्क ने फ्री हिट पर वाइड गेंद फेंकी, लेकिन पराग दौड़ पड़े और रन आउट हो गए। पराग चार रन बनाकर आउट हुए और क्रीज पर यशस्वी जायसवाल उतरे। अगली गेंद पर हेटमायर ने शॉट लगाया और दो रन के लिए भागे। हालांकि, एक ही रन पूरा हुआ और टीम सुपर ओवर पूरा नहीं खेल सकी। राजस्थान ने पांच गेंदों पर 11 रन बनाए। सुपर ओवर में लक्ष्य का बचाव करने के लिए दिल्ली कैपिटल्स की ओर से केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स आए। राजस्थान ने गेंद संदीप शर्मा को थमाई। पहली गेंद पर केएल राहुल ने दो रन निकाले। राहुल ने अगली गेंद पर चौका लगाया। तीसरी गेंद पर एक रन आया और स्टब्स स्ट्राइक पर आए। चौथी गेंद पर स्टब्स ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। इससे पहले, लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान ने अच्छी शुरुआत की थी और पावरप्ले तक कोई विकेट नहीं गंवाया था। कप्तान संजू सैमसन हालांकि 19 गेंदों पर 31 रन बनाकर रिटायर हर्ट हो गए और मैदान पर दोबारा वापस नहीं आए। रियान पराग आठ रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद यशस्वी ने नीतीश राणा के साथ मिलकर 50+ रनों की साझेदारी की। यशस्वी ने इस सीजन का अपना दूसरा अर्धशतक जड़ा, लेकिन वह 37 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नीतीश राणा ने मोर्चा संभाला और 26 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। नीतीश भी फिर ज्यादा देर नहीं टिक सके और 28 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए। राजस्थान के लिए ध्रुव जुरेल और शिमरॉन हेटमायर क्रीज पर थे और सेट हो चुके थे। राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए नौ रन बनाने थे, लेकिन मिचेल स्टार्क ने शानदार गेंदबाजी की और सिर्फ आठ रन दिए। अंतिम गेंद पर दो रन चाहिए थे। जुरेल ने शॉट मारा और दो रन के लिए भागे, लेकिन दूसरा रन पूरा नहीं कर सके। जुरेल 17 गेंदों पर दो छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए, जबकि हेटमायर 15 रन बनाकर नाबाद लौटे। राजस्थान की ओर से मिचेल स्टार्क, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने एक-एक विकेट लिए। राजस्थान ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। दिल्ली के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन उन्होंने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में सफल रही। दिल्ली के लिए अभिषेक पोरेल ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाए, जबकि केएल राहुल ने 38 रनों का योगदान दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जैक फ्रेजर मैकगर्क और पोरेल ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन जोफ्रा आर्चर ने मैकगर्क को नौ रन पर आउट किया। इसके तुरंत बाद करुण नायर खाता खोले बिना रन आउट हो गए। आईपीएल में यह चौथी बार था जब करुण शून्य पर पवेलियन लौटे।

आरसीबी में फिनिशर की भूमिका का आनंद उठा रहे हैं जितेश शर्मा, बोले- 20-30 रन मेरे लिए अर्धशतक के समान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जितेश इस आईपीएल में छठे नंबर पर उतर रहे हैं। इस युवा खिलाड़ी ने बताया कि पहले वह अर्धशतक और शतक बनाया करते थे, लेकिन अब 20-30 रन का स्कोर उनके लिए नया मील का पत्थर बन गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा आईपीएल 2025 में फिनिशर की भूमिका का

आनंद उठा रहे हैं। जितेश ने चार पारियों में 154.38 के स्ट्राइक रेट और 29.33 के औसत से 88 रन बनाए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 21 गेंदों पर 33 और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 19 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली थी। जितेश ने फिनिशर की भूमिका पर बातचीत की और बताया कि किस तरह ओपनर की तुलना में अब उनका जीवन बदल गया। जितेश इस आईपीएल में छठे नंबर पर उतर रहे हैं। इस युवा खिलाड़ी ने बताया कि पहले वह अर्धशतक और शतक बनाया करते थे, लेकिन अब 20-30 रन का स्कोर उनके लिए नया मील का पत्थर बन गया है। जितेश ने कहा, अब हर कोई फिनिशर ही है, लेकिन छठे सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है क्योंकि जब से फिनिशर की भूमिका निभा रहा हूं, मैंने अर्धशतक नहीं लगाया है। पहले मैं अर्धशतक और शतक लगाता था। जितेश ने कहा, पहले मैं ओपनर था तो अर्धशतक और शतक लगाता था। कोई भी उपलब्धि हासिल करने पर बल्ला उठाना अच्छा लगता था, लेकिन जब से फिनिशर बना हूं अर्धशतक भी नहीं लगाया। बस 30-40 रन बनाता हूं। अब ये स्कोर ही पचास के जैसे हैं। अगर आप 30 गेंद में 60 या 70 रन बना रहे हैं तो यह शतक जैसा है। मैं खुश हूं अगर टीम जीत रही है तो। जितेश ने कहा कि विकेटकीपर होने से उन्हें पिच और विरोधी बल्लेबाज को बेहतर समझने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, आपका दिमाग थक जाता है। फायदा यह है कि आप वहां से खेल पर नियंत्रण कर सकते हैं। आपको पता चल जाता है कि आपकी टीम के गेंदबाज इस विकेट पर क्या कर सकते हैं। आप दूसरी टीम के बल्लेबाजों को भांप सकते हैं।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने किया वनडे क्रिकेट का समर्थन, बोले- यह एक अलग तरह की चुनौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रोहित ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा व्यवस्था में टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, वनडे क्रिकेट खेल के सबसे सम्मानित प्रारूपों में से एक बना हुआ है। उन्होंने बताया कि 50 ओवर के

प्रारूप से उनका जुड़ाव गहरा है, जो एक क्रिकेटर के रूप में उनके प्रारंभिक वर्षों से जुड़ा है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट की बढ़ती साख के बीच वनडे क्रिकेट के भविष्य का समर्थन किया है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के साथ एक पॉडकास्ट में बताया कि किस तरह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के दौरान उनकी टीम को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि वनडे क्रिकेट हमेशा से ऐसी चुनौती पेश करता है जो कोई प्रारूप नहीं देता। रोहित ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा व्यवस्था में टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, वनडे क्रिकेट खेल के सबसे सम्मानित प्रारूपों में से एक बना हुआ है। उन्होंने बताया कि 50 ओवर के प्रारूप से उनका जुड़ाव गहरा है, जो एक क्रिकेटर के रूप में उनके प्रारंभिक वर्षों से जुड़ा है। रोहित ने कहा, मुझे पता है कि वनडे क्रिकेट को लेकर कई तरह की बातें की जाती हैं कि यह स्थायी है या नहीं। हम सभी लोग वनडे विश्व कप, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी देखकर ही बड़े हुए हैं और हमने ये खेल खेला भी है। वो सब मैच रोमांचक होते हैं। मुझे पता है कि वह पहले की बातें हैं क्योंकि लोग अब टी20 क्रिकेट देख रहे हैं, लेकिन वनडे क्रिकेट की चुनौती अलग ही है। भारत ने हाल ही में रोहित की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। रोहित ने इस दौरान पांच मैचों में 180 रन बनाए थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मैच में 83 गेंदों पर 76 रन बनाए थे जिससे भारत खिताब अपने नाम करने में सफल रहा था। वनडे में रोहित का रिकॉर्ड काफी अच्छा है। उन्होंने 273 मैचों में 11138 रन बनाए हैं। उन्होंने वनडे विश्व कप 2023 में भी प्रभावित किया था। फिलहाल रोहित आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं और मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। रोहित का बल्ला आईपीएल में अब तक खामोश है और उन्होंने पांच मैचों में 11.20 के औसत से 56 रन बनाए हैं। रोहित इस बार कुछ मैचों में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर भी उतरे हैं।

दिल्ली के खिलाफ मैच के दौरान राजस्थान को लगा झटका, चोट के कारण कप्तान सैमसन रिटायर हर्ट हुए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सैमसन ने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी, लेकिन पावरप्ले खत्म होने से ठीक पहले वह रिटायर हर्ट होकर पवेलियन लौट गए। राजस्थान रॉयल्स को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान उस वक्त झटका लगा जब उसके कप्तान संजू सैमसन चोट के कारण रिटायर हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। दिल्ली और राजस्थान के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में मैच खेला जा रहा है। सैमसन ने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी, लेकिन पावरप्ले खत्म होने से ठीक पहले वह रिटायर हर्ट होकर पवेलियन लौट गए। दिल्ली ने राजस्थान के सामने 189 रनों लक्ष्य रखा। छठे ओवर में सैमसन को दिक्कत हुई और फिजियो उन्हें देखने के लिए मैदान पर आए। ओवर की तीसरी गेंद पर सैमसन ने विपरज निगम की गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास किया। रिप्ले में दिखा की सैमसन को दर्द का अहसास हुआ। फिजियो ने उन्हें देखा और सैमसन ने ब्रेक के दौरान टेबलेट ली। उन्हें बल्लेबाजी जारी रखी, लेकिन एक गेंद बाद ही सैमसन ने मैदान से बाहर जाने का फैसला किया। सैमसन ने 19 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 31 रन बनाए। सैमसन इस साल चोट से जूझते दिखे हैं। मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 मैच के दौरान सैमसन को बल्लेबाजी करते वक्त अंगुली में चोट लगी थी। इस कारण वह रणजी ट्रॉफी में केरल के लिए नहीं खेल सके थे। सैमसन को सर्जरी करानी पड़ी थी और रिहैब प्रक्रिया से गुजरने के बाद उन्होंने मैदान पर वापसी की थी। आईपीएल 2025 के पहले तीन मैच में वह सिर्फ पूर्णकालिक बल्लेबाज के तौर पर खेले थे ऐर उनकी जगह रियान पराग ने टीम की कमान संभाली थी। राजस्थान रॉयल्स का अगला मुकाबला 19 अप्रैल को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ जयपुर मे होना है। अगर तब तक सैमसन फिट नहीं हो सके तो एक बार फिर पराग टीम की कमान संभालते हुए दिख सकते हैं। आईपीएल 2025 के सात मैचों में सैमसन ने 37.33 के औसत और 143. 58 के स्ट्राइक रेट से 224 रन बनाए हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 66 रनों की पारी खेली थी।

जापान के फुटबॉलर नोजोमु ने कोलकाता से काशी तक 2000 किमी की ड्रिब्लिंग की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। वाराणसी में जापान के फुटबॉलर नोजोमु हागीहारा काशी पहुंचे। फैंस के साथ फोटो खींचवा रहे थे। इसी क्रम में विभिन्न जगहों पर खेल प्रतियोगिताएं भी हुईं। इसमें खिलाड़ियों को सम्मान के साथ प्रोत्साहित भी किया गया। जापान के रहने वाले फुटबॉलर नोजोमु हागीहारा (31) ड्रिब्लिंग (जमीन पर फुटबॉल को उछालते हुए आगे बढ़ना) करते काशी पहुंचे। तीन मार्च से कोलकाता से सड़क पर फुटबॉल खेलते हुए उनका असाधारण सफर न केवल खेल के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है, बल्कि गांवों में लैंगिक समानता, स्वच्छता और पोषण के साथ ही बच्चों को चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करना है। 3 मार्च को कोलकाता से नई दिल्ली तक 2,000 किलोमीटर की एकल ड्रिब्लिंग यात्रा मई में नई दिल्ली में समाप्त होगी। नोजोमु अपने

असाधारण कौशल और फुटबॉल के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते हैं। साहसिक यात्रा की शुरुआत उन्होंने कोलकाता से की। सड़क पर फुटबॉल खेलते हुए 2000 किमी का सफर तय कर मंगलवार को काशी पहुंचे। सोनारपुर में विश्राम के बाद गुरुवार को दिल्ली की ओर बढ़ेंगे।हागीहारा ने बताया कि गरीब और वंचित बच्चों को फुटबॉल अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उनका मानना है कि फुटबॉल न केवल एक मनोरंजक खेल है, बल्कि यह अनुशासन, टीम वर्क और दृढ़ता सिखाता है।नोजोमु ने कहा कि गांवों में फुटबॉल कार्यशालाएं की हैं। इन सत्रों का उद्देश्य बच्चों खासकर लड़कियों को सशक्त बनाना है। जिस तरह महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह के दौरान 385 किलोमीटर की पैदल यात्रा की थी। उससे प्रभावित होकर सबसे लंबी ड्रिब्लिंग कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने का भी प्रयास है। 2023 में एक ऑस्ट्रेलियाई ने 337 किमी तक ड्रिब्लिंग कर रिकॉर्ड बनाया था। जब लोग उन्हें सड़क पर फुटबॉल खेलते देखते हैं, तो वे रुकते हैं और बातचीत करते हैं। प्रवास के दौरान नोजोमु काशी के बच्चों के साथ फुटबॉल खेलेंगे। बुनियादी कौशल सिखाएंगे और इसमें कॅरिअर बनाने की संभावनाओं के बारे में भी बताएंगे।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

संदीप शर्मा इस अनचाही सूची में हुए शामिल, एक ओवर में फेंकी इतनी गेंदें; ऐसा करने वाले चौथे गेंदबाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। संदीप आईपीएल में एक ओवर में सबसे ज्यादा गेंदें डालने वाले संयुक्त रूप से चौथे गेंदबाज बन गए हैं। संदीप के अलावा मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे और शार्दुल ठाकुर ने भी आईपीएल के एक ओवर में 11 गेंदें डाली हैं। संदीप आईपीएल में एक ओवर में सबसे ज्यादा गेंदें डालने वाले संयुक्त रूप से चौथे गेंदबाज बन गए हैं। संदीप के अलावा मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे और शार्दुल ठाकुर ने भी आईपीएल के एक ओवर में 11 गेंदें डाली हैं। राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दिल्ली के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन उन्होंने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाने में सफल रही। यह 2024 से दिल्ली में पिछले सात आईपीएल मैचों का सबसे न्यूनतम टोटल है। आखिरी ओवर डालने आए संदीप ने वाइड से शुरुआत की और फिर अगली गेंद पर कोई रन नहीं गया। इसके बाद संदीप ने लगातार तीन गेंदें वाइड डाली, जबकि अगली गेंद नो बॉल हुई जिस पर एक रन आया। स्टब्स ने फ्री हिट पर चौका जड़ा और फिर अगली गेंद को छक्के के लिए भेजा। संदीप

की अगली तीन गेंदों पर एक-एक रन ही बने। इस तरह संदीप ने ओवर में 11 गेंदें फेंकी और कुल 19 रन लुटाए। संदीप इसके साथ ही आईपीएल में एक ओवर में सबसे ज्यादा गेंदें डालने वाले संयुक्त रूप से चौथे गेंदबाज बन गए हैं। संदीप के अलावा मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे और शार्दुल ठाकुर ने भी आईपीएल के एक ओवर में 11 गेंदें डाली हैं। संदीप ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में चार ओवर में 33 रन दिए और उन्हें एक भी सफलता नहीं मिली। पहले बल्लेबाजी करते हुए जैक फ्रेजर मैकगर्क और पोरेल ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन जोफ्रा आर्चर ने मैकगर्क को नौ रन पर आउट किया। इसके तुरंत बाद करुण नायर खाता खोले बिना रन आउट हो गए। आईपीएल में यह चौथी बार था जब करुण शून्य पर पवेलियन लौटे। दो झटके लगने के बाद राहुल ने पोरेल के साथ मिलकर साझेदारी बनाई और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी की। आर्चर एक बार फिर राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण साबित हुए और उन्होंने केएल राहुल को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। राहुल के आउट होने के बाद अगले ओवर में पोरेल भी अपना विकेट गंवा बैठे और अर्धशतक बनाने से चूक गए। फिर कप्तान अक्षर पटेल क्रीज पर उतरे और उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी की। अक्षर 14 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुए। अंत के ओवरों में ट्रिस्टन स्टब्स और आशुतोष ने शानदार बल्लेबाजी की जिससे टीम का स्कोर 180 के पार पहुंच गया। स्टब्स 18 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 34 रन और आशुतोष 11 गेंदों पर दो चौकों के सहारे 15 रन बनाकर नाबाद लौटे। राजस्थान की ओर से आर्चर ने दो विकेट झटके, जबकि महेश तीक्षणा और वानिंदु हसरंगा ने एक-एक विकेट लिए।

सम्पादकीय

मीडिया-मनोरंजन क्षेत्र में नई क्रांति, भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा

मनोरंजन एवं मीडिया उद्योग में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह तेजी से बढ़ रहा है और लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में फल-फूल रहा है। हम इंटरनेट कनेक्शन पर आडियो-वीडियो सामग्री को निरंतर प्रसारित करने की सेवाओं, क्षेत्रीय भाषा सामग्री और तकनीक-प्रेमी दर्शकों के उदय से प्रेरित विविध प्लेटफार्मों पर सामग्री निर्माण में उछाल देख रहे हैं। ऐसी सामग्री ताजा, आकर्षक और समावेशी आख्यानों की मांग करती है। इस क्षेत्र में भारत के लिए अपार संभावनाएं हैं। न केवल मनोरंजन के स्रोत के रूप में, बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, आर्थिक विकास और वैश्विक प्रभाव के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में भी। विश्व आडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन, जिसे संक्षिप्त शब्द 'वेव्स' के नाम से जाना जाता है, आगामी एक से चार मई के बीच आयोजित होने जा रहा है। मुंबई स्थित बीकेसी के जियो कन्वेंशन सेंटर में होने वाला भारत सरकार का यह आयोजन देश की बढ़ती पहचान का गवाह होगा। अपने दशकों के अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि कहानियों में एकजुट करने, प्रेरित करने और बदलने की ताकत है। वेव्स और वेव्स बाजार के साथ हम वैश्विक मनोरंजन समुदाय के लिए अधिक सहयोगी एवं समावेशी भविष्य बनाने की दिशा में एक साहसिक कदम उठा रहे हैं। वेव्स बाजार वैश्विक मनोरंजन इकोसिस्टम में पेशेवरों, व्यवसायों और रचनाकारों को जोड़ने के लिए तैयार किया गया एक क्रांतिकारी आनलाइन बाजार बनाने का प्रयास है। सहजता से और मिल-जुलकर काम करने को बढ़ावा देने के अपने मिशन के साथ वेव्स बाजार मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए अंतिम व्यावसायिक केंद्र के रूप में काम करने का प्रयास करता है, ताकि पेशेवरों को अपनी पहुंच का विस्तार करने, नए अवसरों की खोज करने और उच्च-मूल्य वाली साझेदारियों में शामिल होने में मदद मिलती है। इस साल 27 जनवरी को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा वेव्स बाजार मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में वेव्स शिखर सम्मेलन को एक प्रमुख कार्यक्रम में बदलने के प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण को साकार करने में एक महत्वपूर्ण साधन है। यह वित्त और अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों के लिए दावोस शिखर सम्मेलन सरीखा है। अपनी शुरुआत से ही मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में 5,500 खरीदार, 2000 से अधिक विक्रेता और लगभग 1000 प्रोजेक्ट वेव्स पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। दीर्घकाल में यह पोर्टल उद्योग के लिए एक व्यापक कंटेंट मार्केटप्लेस और नेटवर्किंग हब के रूप में विकसित हो सकता है, जिसमें एआई-संचालित प्रोफाइलिंग और मैचमेकिंग टूल शामिल हैं। इसमें फिल्म, टेलीविजन, एनिमेशन, गेमिंग, विज्ञापन, एक्सआर, संगीत, साउंड डिजाइन, रेडियो और बहुत कुछ शामिल है। यह प्लेटफार्म खरीदारों और विक्रेताओं के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा। यह सुनिश्चित करेगा कि पेशेवर आसानी से अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन करते हुए संभावित ग्राहकों से जुड़कर सार्थक सहयोग प्राप्त कर सकें। चाहे आप फिल्म निर्माता हों, जो एक प्रोडक्शन पार्टनर की तलाश कर रहे हों, एक विज्ञापनदाता जो सही मंच की तलाश कर रहे हों, एक गेम डेवलपर, जो निवेशकों की तलाश कर रहे हों या एक कलाकार जो अपने काम को वैश्विक दर्शकों के सामने प्रदर्शित करना चाहते हों, वेव्स बाजार पेशेवरों को नेटवर्क, सहयोग और अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए एक गतिशील स्थान प्रदान करने की आशा करता है। वेव्स बाजार एक एकीकृत बी2बी माध्यम है, जो वैश्विक मनोरंजन उद्योग के साथ जुड़ने, सहयोग करने और बढ़ने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। फिल्म, टेलीविजन, संगीत, गेमिंग, एनिमेशन, विज्ञापन और एक्सआर, एआर और वीआर जैसी इमर्सिव तकनीक के पेशेवरों को एक साथ लाकर यह प्लेटफार्म विविध रचनात्मक क्षेत्रों में लिस्टिंग, खोज और लेनदेन के लिए एक व्यापक स्थान प्रदान करता है। चाहे आप वितरण चाहने वाले निर्माता हों, नए आईपी की तलाश करने वाले गेम डेवलपर हों या लाइसेंसिंग अवसरों की तलाश करने वाले साउंड डिजाइनर हों, वेव्स बाजार श्रेणी-विशिष्ट लिस्टिंग, सुरक्षित व्यूइंग रूम और क्यूरेटेड नेटवर्किंग सुविधाओं के साथ पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है। निर्बाध व्यावसायिक संपर्कों के लिए डिजाइन किया गया।

पलायन को मजबूर कानून का शासन, मुर्शिदाबाद इसका शर्मनाक उदाहरण

मुर्शिदाबाद में नए वक्फ कानून का संवैधानिक तरीके से विरोध का बहाना करते हुए हिंदुओं को चुन-चुनकर निशाना बनाने वाली हिंसक भीड़ के उत्पात को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। इसमें हिंसा की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन करने और ममता सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट क्या करेगा, पता नहीं, लेकिन यह पता है कि जब मई 2021 में बंगाल में विधानसभा चुनाव बाद भीषण हिंसा की जांच के लिए ऐसी ही एक याचिका दायर की गई थी तो उसकी तत्काल सुनवाई नहीं हो पाई थी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की जिस दो सदस्यीय पीठ को इस याचिका की सुनवाई करनी थी, उसकी एक जज इंदिरा बनर्जी मामला सुनने से पीछे हट गई थीं। वह बंगाल से ही थीं तब तृणमूल कांग्रेस समर्थकों की भीषण अराजकता के चलते बंगाल से कई लोग जान बचाकर असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। उन्हें महीनों तक वहीं रहना पड़ा था। कहना कठिन है कि वे सब अपने घरों को लौट पाए थे या नहीं? यह कहना तो और भी कठिन है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के जो पीड़ित जान बचाने के लिए मालदा और अन्यत्र शरण लेने को मजबूर हुए हैं, वे अपने घरों को लौट सकेंगे या नहा यह कहना इसलिए अधिक कठिन है, क्योंकि एक तो खुद पलायन करने वाले अपनी वापसी को लेकर सुनिश्चित नहीं और दूसरे, तृणमूल कांग्रेस के नेता यह समझाने में लगे हुए हैं कि हिंसाग्रस्त इलाकों में सब ठीक है। कुछ तो मुर्शिदाबाद की अराजकता को सीमा सुरक्षा बल की साजिश बता रहे हैं। यह तो गनीमत रही कि कलकत्ता हाई कोर्ट ने मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती के आदेश दिए, अन्यथा वहां कुछ इलाके हिंदुओं से विहीन भी हो सकते थे। मुर्शिदाबाद बांग्लादेश से सटा वह जिला है, जहां हिंदू आबादी घटते-घटते 33 प्रतिशत रह गई है। अगली जनगणना में वह और घट जाए तो हैरानी नहीं। इसलिए और नहीं, क्योंकि आबादी के असंतुलन के मामले में बंगाल के कुछ इलाके बांग्लादेश की राह पर हैं। स्थिति तब तक नहीं बदलेगी, जब तक पीड़ित लोग आत्मरक्षा के लिए सक्रिय नहीं होते और अन्याय के प्रतिरोध के लिए खुद को सक्षम नहीं बनाते। अपना अस्तित्व बचाने के लिए उन्हें ऐसा करना ही होगा, क्योंकि मुर्शिदाबाद सरीखी आतंक भरी अराजकता में सुरक्षा बल जब तक दखल देते हैं, तब तक नुकसान हो चुका होता है और अक्सर वह स्थायी होता है। लोग अपने ही देश में शरणार्थी बन जाते हैं। कश्मीर घाटी से भगाए गए कश्मीरी हिंदू आज तक अपने घरों को नहीं लौट सके हैं। मुर्शिदाबाद की हिंसा के दौरान पुलिस जिस तरह मूकदर्शक बनी रही, वह कोई नई बात नहीं। वैसे तो हर राज्य की पुलिस वहां की सरकार के दबाव-प्रभाव में ही काम करती है, लेकिन बंगाल पुलिस ने खुद को एक तरह से तृणमूल की शाखा में तब्दील कर लिया है। वहां के डीजीपी वही राजीव कुमार हैं, जिनके घर जब सीबीआइ ने सारदा घोटाले की जांच में हेराफेरी करने के आरोप में छापा डाला था तो ममता बनर्जी धरने पर बैठ गई थीं। लोकसभा चुनाव के समय चुनाव आयोग ने उन्हें डीजीपी पद से हटा दिया था, पर चुनाव निपटते ही ममता ने उन्हें बहाल कर दिया। मुर्शिदाबाद में नए वक्फ कानून का विरोध कथित तौर पर वक्फ की जमीन बचाने के लिए किया गया, लेकिन वह दूसरों को उनकी जमीन से बेदखल करने में तब्दील हो गया। साफ है कि वक्फ कानून का विरोध अराजकता फैलाने का बहाना ही था। मुर्शिदाबाद इसका शर्मनाक उदाहरण है कि भारत का शासन तंत्र किस तरह भारत भूमि में ही घुटने टेकने को मजबूर हो जाता है। आखिर ऐसा असहाय-निरुपाय शासन तंत्र अपनी जान बचाकर भागे लोगों को फिर से अपने घरों को लौटने का साहस और संबल कैसे दे सकता है? बंगाल में कानून का शासन नहीं, बल्कि वहां शासन करने वालों का कानून है, यह निष्कर्ष राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का था, जिसने 2021 के विधानसभा चुनाव बाद हुई हिंसा की छानबीन की थी। मुर्शिदाबाद की हिंसा इसकी पुष्टि करती है कि बंगाल में आज भी कानून का शासन नहीं है। वक्फ कानून विरोधियों का दुस्साहस किस तरह बढ़ा हुआ है, इसे इससे समझा जा सकता है कि वे राज्य के अन्य हिस्सों में भी उपद्रव कर रहे हैं और इस दौरान पुलिस को भी निशाना बना रहे हैं। यदि सुप्रीम कोर्ट बंगाल में दखल नहीं देता नहीं तो वक्फ कानून विरोधियों ने जैसा उत्पात मुर्शिदाबाद में मचाया, वैसा ही देश के दूसरे हिस्सों में देखने को मिल सकता है। इसकी अनदेखी न की जाए कि नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में आगजनी और तोड़फोड़ का सिलसिला सबसे पहले बंगाल से ही शुरू हुआ था। फिर ऐसा ही देश के दूसरे हिस्सों में भी देखने को मिला था। पता नहीं केंद्र सरकार बंगाल में किस तरह हस्तक्षेप कर सकती है, लेकिन कम से कम इतना तो हो ही सकता है कि प्रधानमंत्री मुर्शिदाबाद से जान बचाकर मालदा में शरणार्थी बन गए लोगों से मिलने जाएं। यदि गुजरात दंगों के पीड़ितों से मिलने अटल बिहारी वाजपेयी जा सकते हैं और मुजफ्फरनगर दंगा पीडितों के आंसू पोछने मनमोहन सिंह तो मुर्शिदाबाद की भयावह हिंसा के शिकार लोगों से मिलने प्रधानमंत्री मोदी क्यों नहीं जा सकते? यह ध्यान रहे कि मुर्शिदाबाद की हिंसा दंगा नहीं है। यह अगस्त 1946 की डायरेक्ट एक्शन डे की याद दिलाने वाली बर्बरता है।

धरती की सबसे बड़ी बाढ़ और उसका रहस्य, सिसिली दौरे पर मिलीं असामान्य पहाड़ियों से उपजी जिज्ञासाएं

पृथ्वी के इतिहास की सबसे बड़ी बाढ़ जिब्राल्टर और सिसिली से होकर गुजरी और कुछ ही वर्षों में इसने पूरे भूमध्य सागर को भर दिया। जिब्राल्टर जलडमरूमध्य के किनारे खोदाई में मिले पानी के नीचे की एक घाटी के बारे में अनुमान है कि यह विशाल बाढ़ के कारण बनी होगी। एक खोज में शोधकर्ताओं को समुद्र तल के नीचे नमक की विशाल परत मिली, जिससे इस बात की पुष्टि हुई कि लगभग 60 लाख साल पहले एक बड़ा पर्यावरणीय परिवर्तन हुआ था। करीब 50 लाख वर्ष पूर्व अटलांटिक महासागर का पानी मौजूदा?जिब्राल्टर जलडमरूमध्य से होकर बहता था। इस सिद्धांत के अनुसार, समुद्री पानी एक किलोमीटर ऊंची ढलान से खाली भूमध्यसागर की ओर तेज रफ्तार कार से भी तेजी से बहता था और रास्ते में एक गगनचुंबी इमारत जितनी गहरी खाई खोदता था। उस समय, भूमध्यसागर काफी हद तक सूखी और नमकीन घाटी था, लेकिन इसमें इतना पानी भरा कि यह कुछ वर्षों-शायद कुछ महीनों में ही भर गया। यह थीसिस हमने 2009 में जिब्राल्टर जलडमरूमध्य के किनारे खोदाई में मिले पानी के नीचे की एक घाटी के अध्ययन में रखी थी, जिसके बारे में अनुमान लगाया गया कि यह विशाल बाढ़ के कारण बनी होगी। यदि यह सही है, तो जैनक्लीन नाम की यह कथित बाढ़ पृथ्वी की अब तक की सबसे बड़ी बाढ़ होगी।?हमारा नया?शोध जैनक्लीन युग की अवसादी चट्टानों की जांच पर केंद्रित है, जो दर्शाता है कि कैसे पानी आधुनिक सिसिली और मुख्य भूमि अफ्रीका के बीच की खाई से होकर भूमध्य सागर के पूर्वी आधे हिस्से को फिर से भरने के लिए आगे बढ़ा।दरअसल, 19वीं सदी के अंत में भूमध्य सागर के आसपास नमक से भरपूर चट्टानों का अध्ययन करने वाले भूवैज्ञानिकों को एहसास हुआ कि लगभग 50 से 60 लाख वर्ष पहले कुछ असामान्य हुआ थाः समुद्र सूख गया था। उन्होंने उस युग को 'मेसिनियन' नाम दिया। 1970 के दशक में, वैज्ञानिकों ने पहली बार भूमध्य सागर के नीचे मेसिनियन युग की तलछटी चट्टानों में गहरी खोदाई की। एक खोज में उन्हें समुद्र तल के नीचे नमक की विशाल परत मिली, जिससे इस बात की पुष्टि हुई कि लगभग 60 लाख साल पहले एक बड़ा पर्यावरणीय परिवर्तन हुआ था। फिर 2009 में?जिब्राल्टर के माध्यम से प्रस्तावित अफ्रीका-यूरोप सुरंग के भू-भौतिकीय आंकड़ों से पता चला कि अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर के बीच विशाल पानी के नीचे की खाई अचानक और प्रलयकारी बाढ़ के कारण बनी होगी। हमारा नवीनतम शोध इसका समर्थन करता है। हमने उस क्षेत्र का पता लगाया, जिसे सिसिली के नाम से जाना जाता है। हमारी टीम ने सिसिली का दौरा कर पाया कि पहाड़ियां वाकई असामान्य थीं। यदि सिसिली में स्थित उन पहाड़ियों और गर्तों का निर्माण भी किसी विशाल बाढ़ के कारण हुआ है, तो गर्तों के आधार से कटा हुआ चट्टानी मलबा 50 लाख वर्ष से भी अधिक समय बाद पहाड़ियों के शीर्ष पर मिलना चाहिए। निश्चित रूप से, हमें पहाड़ियों की चोटी पर टेढ़े-मेढ़े पत्थर के मलबे मिले।

अंटार्कटिका में वैज्ञानिकों का जमावड़ा

अंटार्कटिका महाद्वीप में इस समय करीब 30 देशों के शोध केंद्र हैं। मौजूदा शोध का मुख्य विषय जलवायु परिवर्तन?है। यहां आम तौर पर इन्सान नहीं होते, इसलिए वैज्ञानिक प्राकृतिक प्रणालियों की प्रक्रियाओं व प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने में सक्षम होते हैं। अंटार्कटिका की सबसे बड़ी खोज 1985 में ब्रिटिश अंटार्कटिका सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों द्वारा ओजोन परत में छिद्र का पता लगाना था। दूसरा शोध अतीत की जलवायु को फिर से बनाने के लिए बर्फ के कोर का उपयोग करना रहा है। बीते माह मार्च के मध्य में अंटार्कटिका में दक्षिण अफ्रीका के अलग-थलग पड़े साने-घ्न् बेस पर नौ शोधकर्ताओं में से एक के हिंसक होने की खबरें सुर्खियां बनी थीं। यहां सवाल यह उठता है कि इस बर्फीले महाद्वीप पर आखिर इतने वैज्ञानिकों का जमावड़ा क्यों है और वे क्या तलाश कर रहे हैं??अंटार्कटिका में अभी चल रहे?शोध का मुख्य विषय जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित है, क्योंकि यह सफेद महाद्वीप वैश्विक चक्रों में होने वाले परिवर्तनों के लिए एक अच्छा वायुदाबमापी है। यहां का वातावरण अनूठा है। यहां चरम जलवायु है, जो इसे वैश्विक जलवायु और वायुमंडलीय स्थितियों में किसी भी बदलाव के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाती है। एक और महत्वपूर्ण बात, अंटार्कटिका में आम तौर पर इन्सान नहीं होते, इसलिए वैज्ञानिक प्राकृतिक प्रणालियों की प्रक्रियाओं और प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने में सक्षम होते हैं,?क्योंकि अंटार्कटिका में कई अध्ययन स्थल अलग-थलग हैं, जहां रसद पहुंचाना एक चुनौती है। संसाधन आमतौर पर सीमित हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के साने-घ्न् बेस पर 10 से 12 शोधकर्ताओं के व्यक्तिगत बेस हैं। शोधकर्ता अंटार्कटिका में शीत और विकट जाड़े के दिनों में करीब 15 महीने तक रहते हैं। अंटार्कटिका की सबसे बड़ी खोज 1985 में ब्रिटिश अंटार्कटिका सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों द्वारा ओजोन परत में छिद्र का पता लगाना था, जिसके कारण मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर अमल हुआ, जो चरणबद्ध तरीके से ओजोन को नष्ट करने वाले क्लोरोफ्लोरोकार्बन को समाप्त करने के लिए की गई संधि है। इससे ओजोन परत को ठीक करने में सफलता मिली दूसरा सबसे महत्वपूर्ण शोध अतीत की जलवायु को फिर से बनाने के लिए बर्फ के कोर का उपयोग करना रहा है। बर्फ के कोर हवा के बुलबुले को संरक्षित करते हैं, जो समय के साथ वायुमंडल की स्थितियों के बारे में बहुत सारी जानकारी प्रदान करते हैं। अंटार्कटिका का अध्ययन जलवायु परिवर्तन के लिए अहम है। बर्फ पिघलने से समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा, जो कि चिंता का विषय है। इसलिए इस संदर्भ में अंटार्कटिका पर हो रहे?अध्ययन महत्वपूर्ण हैं।

डोनाल्ड ट्रंप, मोहम्मद यूनुस दुनिया के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल, किसी भारतीय को नहीं मिली जगह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। रेशमा केवलरमानी फार्मास्यूटिकल कंपनी वर्टेक्स की सीईओ हैं। वह जब 11 साल की थी, तभी उनका परिवार अमेरिका में बस गया था। रेशमा अमेरिका की सबसे बड़ी दवा कंपनियों में से एक वर्टेक्स की पहली महिला सीईओ भी हैं। टाइम मैग्जीन की दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची जारी हो चुकी है। इस सूची में कई चौंकाने वाले नाम हैं। सूची में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस का नाम शामिल है। हालांकि हैरानी की बात ये है कि इस साल किसी भारतीय को दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में जगह नहीं मिली है। साल 2024 में भारत से मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट और ओलंपियन पहलवान साक्षी मलिक को टाइम मैग्जीन के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया गया था। हालांकि इस साल भारतीय मूल की रेशमा केवलरमानी को इस सूची में जगह दी गई है। टाइम मैग्जीन ने अपने लीडर्स खंड में रेशमा को शामिल किया है। रेशमा केवलरमानी फार्मास्यूटिकल कंपनी वर्टेक्स की सीईओ हैं। वह जब 11 साल की थी, तभी उनका परिवार अमेरिका में बस गया था। रेशमा अमेरिका की सबसे बड़ी दवा कंपनियों में से एक वर्टेक्स की पहली महिला सीईओ भी हैं। टाइम मैग्जीन ने रेशमा के बारे में लिखा है कि वे जानती हैं कि विज्ञान की सीमाओं को किस तरह से बढ़ाया जाए। रेशमा के नेतृत्व में वर्टेक्स फार्मास्यूटिकल कंपनी ने पहली बार क्रिस्पर तकनीक से बनी सिकल सेल की दवा को एफडीए से मंजूरी दिलाने में सफलता हासिल की है। इस दवा से सिकल सेल की बीमारी को मरीज के ही डीएनए का मयूटेशन करके ठीक किया जा सकेगा। रेशमा का मानना है कि हमारे शरीर की भाषा डीएनए है और भविष्य में वही दवाएं असरदार साबित होंगी, जो हमारे डीएनए की मदद से हमारे शरीर से बात कर सकेंगी। टाइम मैग्जीन की सूची में शुमार अन्य नेताओं में ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस आदि का नाम भी शामिल है।

ये अपराधी, ट्रंप इन्हें हटाना चाहते हैं', महिला की भावुक अपील, अवैध अप्रवासियों के निर्वासन पर छिड़ी बहस

अमेरीका। ट्रंप प्रशासन ने किल्मर एब्रेगो गार्सिया को उसके देश एल सल्वाडोर निर्वासित कर दिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि गार्सिया अल सल्वाडोर के कुख्यात एमएस-13 गैंग का सदस्य है। हालांकि गार्सिया ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। अमेरिका में अवैध अप्रवासियों के निर्वासन पर अमेरिका में रार जारी है। डोनाल्ड ट्रंप अवैध अप्रवासियों पर सख्ती बरत रहे हैं, वहीं डेमोक्रेट पार्टी इसे गलत बता रही है। अमेरिका में इन दिनों एक अवैध अप्रवासी किल्मर एब्रेगो गार्सिया के मुद्दे पर काफी हंगामा हो रहा है। गार्सिया को अवैध अप्रवासी बताकर ट्रंप प्रशासन उसे एल सल्वाडोर निर्वासित कर चुका है। वहीं डेमोक्रेट पार्टी उसे निर्दोष बताकर उसे वापस लाने की मांग कर रही है। गार्सिया के समर्थन में लोग जुड़ते जा रहे हैं। ऐसे में ट्रंप प्रशासन ने व्हाइट हाउस में एक महिला से भावुक अपील कराकर जनमत अपने पक्ष में करने की कोशिश की। दरअसल महिला पैटी मोरिन की बेटी रशेल मोरिन की साल 2023 में एक अवैध अप्रवासी ने दुष्कर्म के बाद बेरहमी से हत्या कर दी थी। अब जब गार्सिया को वापस लाने की मुहिम चल रही है तो ट्रंप प्रशासन ने पैटी मोरिन को व्हाइट हाउस आमंत्रित किया। मोरिन ने ट्रंप प्रशासन की अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करने की नीति का समर्थन किया और कहा कि 'ये लोग (अवैध अप्रवासी) अपराधी हैं और ट्रंप इन्हें हटाना चाहते हैं। हमें इन अपराधियों को इस देश से निकालना चाहिए। हम अमेरिकी नागरिक हैं और हमें इस तरह के हिंसक, अपराधी लोगों को क्यों अपने देश में आने की इजाजत देनी चाहिए, जो हमारी बहनों, बेटियों की हत्याएं कर रहे हैं? मुझे समझ नहीं आता कि इसमें परेशानी क्या है?' उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने किल्मर एब्रेगो गार्सिया को उसके देश एल सल्वाडोर निर्वासित कर दिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि गार्सिया अल सल्वाडोर के कुख्यात एमएस-13 गैंग का सदस्य है। हालांकि गार्सिया ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। गार्सिया की पत्नी अमेरिकी नागरिक है और दोनों के तीन बच्चे हैं। गार्सिया के समर्थन में डेमोक्रेट पार्टी है और डेमोक्रेट सांसद क्रिस वान होलेन गार्सिया से मिलने एल सल्वाडोर रवाना हुए हैं। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने साफ कर दिया है कि गार्सिया की वापसी नहीं होगी और वह फिर कभी अमेरिका में नहीं रह पाएगा। लेविट ने गार्सिया के निर्वासन को सही ठहराया। इस विवाद के बीच ही व्हाइट हाउस ने पैटी मोरिन को देश के सामने पेश किया और अपने पक्ष को मजबूत करने की कोशिश की।

रोक के बावजूद 236 सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं ई-रिक्शे, एक साल में काटे गये 2,78,090 चालान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। आलम यह है कि मेट्रो स्टेशनों, बस स्टैंडों और प्रमुख चौराहों पर ई-रिक्शा का जमावड़ा इतना अधिक हो गया है कि अन्य वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ता है। राजधानी में 236 सड़कों पर ई-रिक्शा चलाने पर रोक है। आलम यह है कि मेट्रो स्टेशनों, बस स्टैंडों और प्रमुख चौराहों पर ई-रिक्शा का जमावड़ा इतना अधिक हो गया है कि अन्य वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ता है। विकास मार्ग, मदर डेयरी मार्ग, कड़कड़ी मोड़, टोडापुर रोड, पायल सिनेमा, रिंग रोड और नजफगढ़ रोड सहित कई प्रतिबंधित सड़कों पर ई-रिक्शा बेरोकटोक दौड़ते नजर आते हैं। एक वर्ष में ट्रैफिक पुलिस ने ई-रिक्शा के खिलाफ विभिन्न ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर 2,78,090 चालान तक काटे हैं। फिर भी इन पर लगाम नहीं लग पा रही है। बुधवार को पड़ताल की तो प्रतिबंधित मार्गों पर ई-रिक्शा दौड़ते नजर आए। कहीं माल ले जाया रहा था, तो कहीं क्षमता से ज्यादा सवारियों को बैठाया जा रहा था। लक्ष्मी नगर स्थित विकास मार्ग पर दर्जनों ई-रिक्शा जहां-तहां खड़े नजर आए, जिससे मार्ग पर यातायात प्रभावित होता दिखा। वहीं, प्रीत विहार के पास कड़कड़ी मोड़ पर ई-रिक्शा की भारी आवाजाही के कारण अन्य वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा शकरपुर स्थित मदर डेयरी रोड पर अव्यवस्थित तरीके से ई-रिक्शा चल रहे थे। परिवहन विभाग के अनुसार, राजधानी में करीब 1.5 लाख ई-रिक्शा संचालित हैं, जिनमें से लगभग 50,000 के पास फिटनेस प्रमाणपत्र नहीं हैं। विभाग ने अवैध ई-रिक्शों को जब्त करने और उन्हें सात दिनों के भीतर स्क्रैप करने का नियम लागू किया है। इसके अलावा लाइसेंस प्राप्त ई-रिक्शा, जिनकी फिटनेस नहीं हुई है, उन्हें भी जब्त करने की योजना है। विभाग ने विशेष टीमें गठित की हैं, जो इन नियमों का उल्लंघन करने वाले रिक्शों पर नजर रखेंगी। अवैध ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या न केवल ट्रैफिक, बल्कि बिजली चोरी और सुरक्षा के लिहाज से भी गंभीर समस्या बनती जा रही है। कई ई-रिक्शा चालक गैरकानूनी तरीके से बिजली की चोरी कर वाहनों को चार्ज करते हैं, जिससे बिजली वितरण कंपनियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

त्रिनेत्रधारी स्वरूप में हुई बाबा महाकाल की आरती, मस्तक पर लगाया ॐ फिर दिए भक्तों को दर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मध्य प्रदेश। बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट, रुद्राक्ष की माला और फूलों की माला पहनाकर त्रिनेत्रधारी स्वरूप में श्रृंगारित किया गया। भस्म आरती में देशभर से आए श्रद्धालुओं ने दर्शन कर जय श्री महाकाल के जयघोष के साथ आरती में भाग लिया। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज वैशाख कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि गुरुवार सुबह भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत को अर्पित कर किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज भस्मआरती में बाबा महाकाल को त्रिनेत्रधारी के स्वरूप में फूलों की माला पहनाकर श्रृंगारित किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को महानिर्वाणी अखाड़े के द्वारा भस्म रमाई गई और फिर कपूर आरती कर भोग भी लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और बाबा महाकाल की भक्ति में लीन होकर जय श्री महाकाल का उद्घोष करने लगे।श्री महाकालेश्वर मंदिर में दान की श्रृंखला में उज्जैन की उषा खंडेलवाल द्वारा भगवान श्री महाकालेश्वर को एक नग रजत छत्र भेंट किया गया। जिसका वजन लगभग 2020.600 ग्राम है। पूजन आकाश पुजारी द्वारा सम्पन्न करवाया गया।

ईरान की अमेरिका के साथ रोम में होगी दूसरे दौर की परमाणु वार्ता, तेहरान ने की पुष्टि

ईरान। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता इस सप्ताहांत रोम में होगी, जिसमें ओमान मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा। इस बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अपने उपराष्ट्रपति और परमाणु वार्ता के प्रमुख चेहरे जवाद जरीफ का इस्तीफा मंजूर कर लिया है।ईरान ने बुधवार को पुष्टि की कि इस साप्ताहांत पर अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता रोम में होगी। इससे पहले वार्ता के स्थान को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। ईरान ने पहले कहा था कि वार्ता ओमान में होगी। ईरान के सककारी टेलीविजन ने यह जानकारी दी। वार्ता भूमिका निभाएगा। इस बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने उपराष्ट्रपति और परमाणु वार्ता के प्रमुख चेहरे जवाद जरीफ का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। जरीफ 2015 में हुए परमाणु समझौते के मुख्य वार्ताकार थे। राष्ट्रपति ने जरीफ की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सरकार अब कुछ वजहों के कारण जतरफी के अनुभव का लाभ नहीं उठा सकती। नए उपराष्ट्रपति के रूप में मोहसिन इस्माइली की नियुक्ति की गई है, जो एक मध्यमार्गी और कानून विशेषज्ञ माने जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी भी बुधवार को तेहरान पहुंचे। उनके दौरे का मकसद प्रस्तावित समझौते के तहत निरीक्षकों को कितनी पहुंच मिलेगी, इस पर चर्चा करना है। ईरान ने 2018 में अमेरिका के समझौते से बाहर निकलने के बाद आईएईए के निरक्षकों की पहुंच सीमित कर दी थी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने अमेरिका से आग्रह किया है कि वह वार्ता में विरोधाभासी रुख अपने से बचे। उन्होंने कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान का अधिकार है और इसे वार्ता का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता। ईरान इस मुद्दे पर भरोसे को बनाने के लिए तैयार है, लेकिन यूरेनियम संवर्धन का अधिकार अपरिवर्तित रहेगा। दोनों देशों के बीच आधी सदी शत्रुता के बाद यह वार्ता हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर हवाई हमले किए जा सकते हैं। ईरान ने भी अपने संवर्धित यरेनियम के स्तर को हथियार-श्रेणी के करीब बताते हुए परमाणु हथियार बनाने की धमकी दी है।

ट्रंप ने 70 कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को दी पर्यावरणीय नियमों से छूट, चिंता में स्वास्थ्य विशेषज्ञ

अमेरीका। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 70 कोयला संयंत्रों को जहरीले प्रदूषण से जुड़े नियमों से 2 साल की छूट दी है, जिससे पारे जैसे हानिकारक तत्वों के उत्सर्जन में बढ़ोतरी हो सकती है। सरकार ने इसे ऊर्जा सुरक्षा का हिस्सा बताया, जबकि पर्यावरण विशेषज्ञों ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा करार दिया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 70 कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को जो बाइडन प्रशासन में लागू किए गए पर्यावरणीय नियमों से दो साल की छूट प्रदान की है। इन नियमों के तहत संयंत्रों को पारा, आर्सेनिक जैसे जहरीले प्रदूषकों के उत्सर्जन को सीमित करना था। यह कदम ट्रंप के हालिया कार्यकारी आदेशों का हिस्सा है, जिसका मकसद संकटग्रस्त कोयला उद्योग को पुनर्जीवित करना है। इस फैसले से जिन बिजली संयंत्रों को राहत मिलने की उम्मीद है, उनमें मोंटाना का कॉलस्ट्रिप जनरेटिंग स्टेशन और नॉर्थ डकोटा का कोल क्रीक स्टेशन शामिल हैं। ये दोनों संयंत्र अणेरिका में सबसे ज्यादा जहरीला धुआं छोड़ने वाले संयंत्रों में गिने जाते हैं। टेलन एनर्जी, डॉमिनिकन एनर्जी, एनआरजी एनर्जी, साउदर्न कंपनी और टेनेसी वैली अथॉरिटी जैसी कंपनियों को भी इन नियमों से छूट दी गई है।

पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय उर्जा सुरक्षा और ग्रिड विश्वसनीयता को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। हालांकि, पर्यावरणविदों और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस फैसले की आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे पारा जैसे जहरीले प्रदूषकों के उत्सर्जन में वृद्धि होगी, जो बच्चों के मस्तिष्क के विकास और सांस लेने के लिए हानिकारक हैं ईपीए ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति की ओर से दी गई ये छूटें कोयला आधारित बिजली उत्पादन को बढ़ावा देंगी, जिससे देश की बिजली व्यवस्था भरोसेमंद बनी रहेगी, आम लोगों को सस्ती बिजली मिलेगी और राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। कोयला संयंत्रों के लिए काम करने वाले एक समूह की अध्यक्ष मिशेल ब्लडवर्थ ने कहा कि ट्रंप यह मानते हैं कि देश के कोयला संयंत्र एक स्वस्थ और सुरक्षित बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए जरूरी हैं, जो हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं ब्लडवर्थ ने कहा, पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में जो नियम बनाए गए थे, वे स्वच्छ वायु अधिनियम (क्लीन एयर एक्ट) के अनुरूप नहीं थे और गलत तरीके से किए गए डाटा विश्लेषण पर आधारित थे। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले साल लागू किया गया मरकरी (पारे) वाला नियम कई कोयला संयंत्रों को समय से पहले बंद करने की वजह बन सकता था। जबकि ये संयंत्र देश की बिजली व्यवस्था को स्थिर और भरोसेमंद बनाए रखने के लिए जरूरी हैं।

गाजा, लेबनान और सीरिया के सिक्योरिटी जोन में तैनात रहेंगे इस्त्राइली सैनिक, क्या है इसका मतलब

इस्त्राइल। इस्त्राइली रक्षा मंत्री ने कहा कि उनकी सेना गाज़ा, लेबनान और सीरिया के 'सुरक्षा क्षेत्रों' में अनिश्चितकाल तक तैनात रहेगी, ताकि भविष्य के हमलों को रोका जा सके। हालांकि, पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे अवैध कब्जा बताते हुए आलोचना की है।इस्त्राइली रक्षा मंत्री इस्त्राइल काट्ज ने कहा कि उनकी सेना गाजा पट्टी, लेबनान और सीरिया के कुछ हिस्सों में बनाए गए सुरक्षा क्षेत्रों (सिक्योरिटी जोन) में अनिश्चितकाल तक तैनात रहेगी। सात अक्तूबर 2023 को हमास की ओर से इस्त्राइल पर हमले किए गए थे, जिसके बाद इस्त्राइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अपनी सीमाओं का एकतरफा विस्तार कर दिया। इस्त्राइल का मानना है कि इन इलाकों पर नियंत्रण रखना भविष्य के हमलों को रोकने के लिए जरूरी है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक, किसी भी क्षेत्र पर बलपूर्वक कब्जा करने अवैध है। कई देशों ने रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए भी इसी दलील का उपयोग किया है। 2023 के हमले के बाद इस्त्राइल ने गाजा की सीमा पर एक बड़ा बफर जोन बनाया और दक्षिणी शहर रफा की घेराबंदी कर ली। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस्त्राइल अब गाजा के पचास फीसदी से अधिक हिस्से पर नियंत्रण रखता है। काट्ज ने स्पष्ट नहीं किया कि इसमें कौन-कौन से इलाके शामिल हैं। लेबनान में संघर्षविराम के बाद इस्त्राइल को अपनी सेना हटानी थी, लेकिन पांच रणनीतिक स्थानों पर इस्त्राइली सैनिक अब भी तैनात हैं। वहीं, सीरिया में इस्त्राइली सेना ने गोलन हाइट्स से आगे बढ़कर कुछ गांवों तक अपना नियंत्रण बढ़ा दिया है और सीरियाई सैन्य ठिकानों पर हमले जारी हैं। लेबनान और सीरिया ने इस्त्राइल के कब्जे की निंदा की है और इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। लेकिन उनकी सेनाएं इस्त्राइल के मुकाबले काफी कमजोर हैं। हिजबुल्ला ने चेतावनी दी है कि अगर इस्त्राइल ने पीछे हटने से इनकार किया तो संघर्ष दोबारा शुरू हो सकता है। हालांकि उसका सैन्य प्रभाव अब पहले जैसा नहीं है। फलस्तीनी पूर्वी यरूशलम, वेस्ट बैंक और गाजा को स्वतंत्र राष्ट्र का हिस्सा मानते हैं। ये वहीं इलाके हैं, जिनपर इस्त्राइल ने 1967 ने कब्जा किया था। हमास का कहना है कि जब तक इस्त्राइल पूरी तरह गाजा से पीछे नहीं हटता और स्थायी संघर्षविराम की घोषणा नहीं करता, तब तक वह बंधकों को नहीं छोड़ेगा। काट्ज के बयान पर अमेरिका ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन इस्त्राइल की सैन्य कार्रवाई का पूरा समर्थन कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गोलन हाइट्स पर इस्त्राइली कब्जे को मान्यता दी थी और अमेरिकी दूतावास को यरुशलम स्थानांतरिक कर इस्त्राइल के पूरे शहर पर दावे का समर्थन किया था। ट्रंप ने यहां तक कहा था कि अमेरिका गाजा को कब्जे में लेकर उसे एक पर्यटन स्थल में बदलेगा और फलस्तीनियों को अन्य देशों में बसाया जाना चाहिए। इस पेशकश की फलस्तीनियों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने आलोचना की थी।

नाले में गिर रहा गंदा पानी, सुना रहा लापरवाही की कहानी; 800 नालों की सफाई पर खर्च होंगे 36 करोड़

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। हर साल मानसून में दिल्ली में जलभराव बड़ी चुनौती बनता है। बंद पड़े नाले, समय पर सफाई न होना और निकासी व्यवस्था की कमजोरियों के चलते कई इलाकों में सड़कें लबालब भर जाती हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और आमजन को बड़ी परेशानी होती है। हालांकि, इस बार एमसीडी ने इस समस्या से निपटने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की है। डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र का नाले की सफाई नहीं हो सकी है और इसमें गंदा पानी भी गिर रहा है। यहां लगा फिल्टरेशन प्लांट तक चालू नहीं हुआ है। ऐसी कई खामियां हैं, जिनका खुलासा राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की ओर से नियुक्त कोर्ट कमिश्नर वकील राहुल खुराना ने 15 अप्रैल को सौंपी रिपोर्ट में किया है। डिफेंस कॉलोनी स्थित नाले तक पहुंचने के लिए बगल की सड़क से रैंप के माध्यम से केवल तीन प्रवेश बिंदु हैं। इनमें से एक टिन शीट से ढका मिला। दूसरा तारपोलिन से ढका था। तीसरे में 11 अप्रैल को एक जेसीबी नाले की सफाई करती मिली। यहां नाला का बहाव ठहरा था। दरअसल, एनजीटी यमुना नदी में गिरने वाले 24 नालों की सफाई के मामले में सुनवाई कर रही है। ऐसे में जमीनी हकीकत जानने और डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र में नाले की सफाई के लिए 9 अप्रैल को पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया था। उन्हें निर्देश दिए थे कि वह साइट का दौरा करेंगे। गाद हटाने के काम की सीमा का पता लगाएंगे। साथ ही, साक्ष्य के साथ पांच दिन में रिपोर्ट देंगे। निरीक्षण के दौरान एमसीडी अधिकारी और आरडब्ल्यूए डिफेंस कॉलोनी के पदाधिकारी भी शामिल रहें। फिल्ट्रेशन प्लांट के नीचे नाली में ठोस कचरा मिला है। बारिश के पानी का संचय करने के लिए बनाया गया गड्ढा कंक्रीट स्लैब से ढका है। रिंग रोड पुलिया के नीचे नाले के दोनों ओर एक बिंदु मलबे से भरा मिला। कंक्रीट कवर के शुरुआती बिंदु के ठीक नीचे, प्लास्टिक कचरा भारी मात्रा में मिला। गाद को तुरंत क्षेत्र से हटाया जाए, इसे जमा नहीं होने देना चाहिए। इसे सुरक्षित तरीके से निपटाया जाए। नाला जहां दिखाई देता है, वहां कचरा भरा हुआ है। कई छिद्रों और दरारों में दुर्गंध और बदबू आ रही थी। ऐसे में नाला की सफाई हो और प्रवेश द्वार पर गाद हटाई जाए। अन्य दोनों रैंप पर गाद हटाने का एक साथ काम किया जाना चाहिए। हर साल मानसून में दिल्ली में जलभराव बड़ी चुनौती बनता है। बंद पड़े नाले, समय पर सफाई न होना और निकासी व्यवस्था की कमजोरियों के चलते कई इलाकों में सड़कें लबालब भर जाती हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और आमजन को बड़ी परेशानी होती है। हालांकि इस बार एमसीडी ने इस समस्या से निपटने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत मानसून से पहले 800 बड़े नालों की सफाई का लक्ष्य तय किया गया है। यह वे नाले हैं जिनकी चौड़ाई और गहराई चार फीट से अधिक है। इनकी सफाई पर करीब 36 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। एमसीडी के अनुसार, इन नालों से 213651 मीट्रिक टन गाद हटाने का लक्ष्य रखा गया है। सफाई के लिए 12 जोन के अनुसार नालों की सूची और अनुमानित लागत का विवरण तैयार किया गया है।सबसे अधिक ध्यान सेंट्रल जोन पर है, जहां 65 नालों की सफाई होगी। इनकी कुल लंबाई 50.70 किलोमीटर है और यहां से 64519.35 मीट्रिक टन गाद हटाने की योजना है। इस जोन पर सबसे अधिक 932.82 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके बाद पश्चिम जोन आता है, जहां सबसे अधिक 133 नालों की सफाई होगी।

दिल्लीवासियों के लिए खुशखबरी इंद्रलोक में बनेगा नया मेट्रो स्टेशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो के फेज-4 का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह कॉरिडोर ग्रीन लाइन का विस्तार होगा, जो इंद्रलोक को इंद्रप्रस्थ से जोड़ेगा। इसकी कुल लंबाई लगभग 12.37 किलोमीटर है जिसमें दस स्टेशन होंगे। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने इंद्रलोक में नया मेट्रो स्टेशन बनाने की योजना पर काम शुरू किया है। नया स्टेशन बनने के बाद मौजूदा स्टेशन पर मेट्रो का परिचालन बंद कर दिया जाएगा। इसकी जगह पर शापिंग सेंटर बनाने की तैयारी है। मेट्रो के फेज-4 के तहत इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर का यह स्टेशन हिस्सा होगा और ग्रीन लाइन से जुड़ेगा। नया स्टेशन मौजूदा इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन के नजदीक बनाया जाएगा। इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो के फेज-4 का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह कॉरिडोर ग्रीन लाइन का विस्तार होगा, जो इंद्रलोक को इंद्रप्रस्थ से जोड़ेगा। इसकी कुल लंबाई लगभग 12.37 किलोमीटर है जिसमें दस स्टेशन होंगे। यह पूरी तरह से एलिवेटेड कॉरिडोर होगा। इसमें इंद्रलोक (नया स्टेशन), दयाबस्ती, सराय बस्ती, आजाद नगर, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली, दिल्ली गेट, आईजीआई स्टेडियम, मयूर विहार-1 और इंद्रप्रस्थ स्टेशन शामिल हैं। दिल्ली मेट्रो इंद्रलोक स्टेशन के निर्माण पर लगभग 117 करोड़ रुपये खर्च करेगी। मेट्रो की ओर से बीते दिनों टेंडर जारी किया गया है। यह कॉरिडोर ग्रीन लाइन को मौजूदा ब्लू लाइन (इंद्रप्रस्थ) से जोड़ेगा और इंद्रलोक में ग्रीन लाइन के साथ-साथ पिंक लाइन के साथ भी इंटरचेंज की सुविधा प्रदान करेगा। इसके अलावा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यलो लाइन व एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के साथ, मयूर विहार-1 पर पिंक लाइन व ब्लू लाइन के साथ और इंद्रप्रस्थ पर ब्लू लाइन के साथ इंटरचेंज सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह कॉरिडोर पश्चिमी दिल्ली (इंद्रलोक, दयाबस्ती) को पूर्वी दिल्ली (मयूर विहार, इंद्रप्रस्थ) और मध्य दिल्ली (न्यू दिल्ली, दिल्ली गेट) से जोड़ेगा। इससे यात्रियों को बिना जाम के तेजी से एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

बॉलीवुड/टैली मसाला

कॉमेडी फिल्में करने वाले रितेश विलेन बनकर भी छा गए, गंभीर किरदारों में किया उम्दा अभिनय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाने वाले रितेश देशमुख विलेन का रोल भी बखूबी निभा चुके हैं। फिर से वह विलेन के रोल में नजर आने वाले हैं। जानिए, रितेश ने किन फिल्मों में अब तक विलेन का रोल किया है? और किन फिल्मों में गंभीर किरदार निभाकर दर्शकों को हैरान किया। रितेश देशमुख ने बॉलीवुड में ज्यादातर कॉमेडी फिल्में ही की हैं, इस वजह से उनकी इमेज एक कॉमिक एक्टर की बन चुकी है। रितेश ने पिछले कुछ सालों में ऐसी फिल्में भी की हैं, जिनमें वह विलेन का किरदार निभाते भी नजर आए, साथ ही कुछ फिल्मों, सीरीज में गंभीर किरदारों में दिखे। जानिए, कौन सी हैं, वो फिल्में और सीरीज। जल्द ही अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' रिलीज होगी। इस फिल्म में अजय देवगन ने एक इनकम टैक्स ऑफिसर का रोल किया है। फिल्म में वह एक राजनेता के घर पर छापा मारते हैं, इस नेता का किरदार रितेश देशमुख निभा रहे हैं। फिल्म का विलेन रितेश का किरदार ही है। अब तक फिल्म 'रेड 2' की जो झलक मिली है, उसमें विलेन के तौर पर रितेश काफी प्रभावित करते दिख रहे हैं। रितेश का लुक, डायलॉग काफी दमदार लग रहे हैं। इस फिल्म को राजकुमार गुप्ता ने निर्देशित किया है। फिल्म 'एक विलेन(2014)' में लीड रोल सिद्धार्थ मल्होत्रा और श्रद्धा कपूर ने किया था। फिल्म में रितेश ने एक साइको किलर का रोल किया। इस फिल्म में विलेन के तौर पर रितेश को देखकर दर्शक हैरान हो गए। फिल्म के निर्देशक मोहित सूरी हैं। 'एक विलेन' फिल्म करने के बाद रितेश देशमुख फिल्म 'मरजावां(2019)' में भी विलेन बने। इस फिल्म में उनका विलेन का किरदार जरा हटकर रहा। फिल्म में उन्होंने एक बौने का रोल किया, जो की माफिया से जुड़ा है। फिल्म में रितेश के किरदार के कारण हीरोइन (तारा सुतारिया) की मौत हो जाती है। ऐसे में फिल्म का हीरो (सिद्धार्थ मल्होत्रा) रितेश के किरदार से बदला लेता है। इस फिल्म के निर्देशक मिलाप मिलन जवेरी थे। साल 2014 में रितेश देशमुख ने एक मराठी फिल्म 'लय भारी' की थी। इस फिल्म में रितेश ने डबल रोल किया। एक रोल सीधे-सादे शख्स का था, तो दूसरा किरदार एक गुंडे का रहा। दोनों ही किरदारों में रितेश गंभीर नजर आए। इस फिल्म में रितेश की पत्नी और एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा ने कैमियो किया था। साथ ही सलमान खान खान भी कैमियो रोल में 'लय भारी' में नजर आए। इस फिल्म को निशिकांत कामत ने निर्देशित किया था। रितेश देशमुख ने एक सीरीज 'पिल' भी की। यह एक मेडिकल थ्रिलर सीरीज थी। इसमें रितेश ने एक सरकारी ऑफिसर का रोल निभाया था, जो मेडिकल, दवा माफिया के खिलाफ जंग लड़ता है। यह किरदार बहुत ही गंभीर किस्म का था, इसमें भी रितेश ने अच्छा अभिनय किया। 2024 में आई इस सीरीज को राजकुमार गुप्ता ने निर्देशित किया।

इंडियाज गॉट लैटेंट' विवाद के बाद अपूर्वा मखीजा ने छोड़ दिया मुंबई का घर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट की वजह अटकलें लगाई जा रही हैं कि अपूर्वा मखीजा ने अपना मुंबई स्थित फ्लैट छोड़ दिया है। आइए जानते हैं कि उन्होंने इस पोस्ट में क्या लिखा था'द रेबेल किड' के नाम से मशहूर यूट्यूबर अपूर्वा मुखीजा इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो में उनकी मौजूदगी ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। इसके बाद मिली धमकियों और आलोचनाओं के बीच अब अपूर्वा की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसे देखने के बाद अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह मुंबई के अपने घर को अलविदा कह दिया है। उनकी एक तस्वीर और कैप्शन ने प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। अपूर्वा ने समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया के साथ हिस्सा लिया था। शो में रणवीर ने एक प्रतियोगी से आपत्तिजनक सवाल पूछा था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसे देखने के बाद लोगों का गुस्सा भड़का उठा था। साथ ही, अपूर्वा की कुछ टिप्पणियां भी लोगों को पसंद नहीं आई थीं। सोशल मीडिया पर दोनों की जमकर आलोचना हुई थी। विवाद के बाद अपूर्वा ने अपने इंस्टाग्राम से सारा पुराना कंटेंट हटा दिया था और सार्वजनिक माफी भी मांगी थी। उन्होंने कहा था, मैंने कई लोगों को ठेस पहुंचाई, जो मेरी मंशा नहीं थी। मैं हंसी और मनोरंजन के लिए कंटेंट बनाती हूं। मुझे अपने शब्दों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए था। मैंने अपनी गलती से सीखा है और बेहतर करने का वादा करती हूं। कृपया मुझे माफ करें। हालांकि, माफी के बाद भी उनकी मुश्किलें कम नहीं हुईं। अपूर्वा ने खुलासा किया कि उन्हें सोशल मीडिया पर जान से मारने, बलात्कार और एसिड हमले की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने साझा किया, ठमेरे डीएम में लोग लिख रहे हैं कि वे मेरे साथ क्या-क्या करना चाहते हैं। यह बहुत डरावना है। पुलिस में बयान दर्ज कराने के दौरान पैपराजी के व्यवहार ने उन्हें और दुखी किया। उन्होंने इसे 'अमानवीय' अनुभव करार देते हुए कहा, मैंने गलती की, मुझे सजा मिले, लेकिन मेरे माता-पिता को क्यों परेशान किया जा रहा है विवादों और तनाव के बीच अपूर्वा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की। इसमें एक घर दिख रहा है, जिसमें हल्की रोशनी, कार्डबॉक्स और सफाई का सामान नजर आ रहा है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, ठएंड ऑफ एन एरा।ठ इस तस्वीर और कैप्शन को देखकर कयास लगाए जा रहा है कि उन्होंने अपना मुंबई वाला अपार्टमेंट छोड़ दिया है।

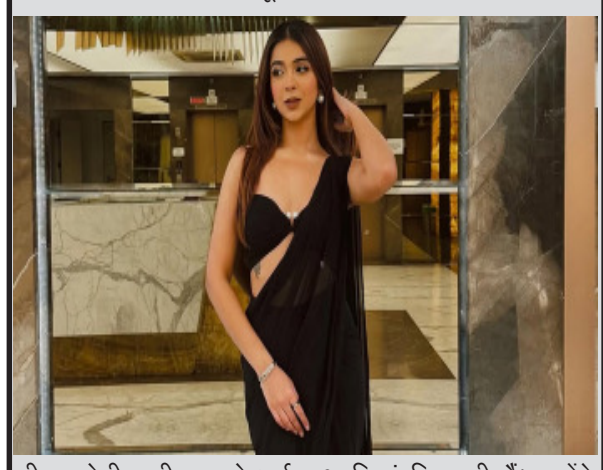

किस तरह परवान चढ़ा अदिति राव हैदरी संग इश्क

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। साउथ फिल्मों के चर्चित अभिनेता सिद्धार्थ का आज जन्मदिन (17 अप्रैल 1979) है। वह अपने करियर के अलावा निजी जीवन को लेकर भी खूब चर्चा में रहे हैं। सिद्धार्थ के जन्मदिन के अवसर पर अदिति राव हैदरी संग उनकी प्रेम कहानी से जुड़ी खास बातें, जानिए सिद्धार्थ दक्षिण भारतीय फिल्मों में जाना माना नाम है। बॉलीवुड में भी वह आमिर खान की फिल्म 'रंग दे बसंती(2006)' में अहम किरदार निभाकर चर्चा में आए थे। सिद्धार्थ अकसर ही खबरों में अपनी लव लाइफ के कारण भी बने रहते थे। जानिए, सिद्धार्थ को अदिति राव हैदरी संग मोहब्बत कैसे हुई? दोनों कब शादी के बंधन में बंध गए सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी के बीच प्यार की शुरुआत फिल्म 'महा समुद्रम' के दौरान हुई। दोनों इस फिल्म की शूटिंग के दौरान एक-दूसरे के करीब आए। फिल्म में इनकी केमिस्ट्री देखकर दर्शकों को भी अंदाज हो गया कि ये प्यार में गहरे तक डूब गए हैं। सिद्धार्थ और अदिति ने शुरुआत में अपने रिश्ते पर चुप्पी नहीं तोड़ी लेकिन साल 2023 में इन्होंने अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी। द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में सिद्धार्थ कहते हैं, 'मैंने जो अदिति के लिए पहली बार महसूस किया, उसे आखिर सांस तक महसूस करना चाहता हूं।' सिद्धार्थ की इस बात से अहसास होता है, वह अदिति को बेइंतहा चाहते हैं। हाल ही में अदिति राव हैदरी ने भी डायरेक्टर फराह खान के व्लॉग चैनल पर सिद्धार्थ से जुड़ी कुछ खास बातें साझा कीं। अदिति कहती हैं, 'मैंने सिद्धार्थ से शादी करने का फैसला पल भर में लिया था। वह बहुत ही सच्चा इंसान है। साथ ही वह बहुत ही कमाल का शख्स है, उसके साथ रहने में बहुत मजा आता है। बतौर एक्टर भी वह काफी टैलेंटेड है।सिद्धार्थ अदिति को बहुत प्यार करते हैं, इसलिए जब प्रपोज करने की बात आई तो उन्होंने अदिति से जुड़ी एक खास जगह को चुना। सिद्धार्थ ने अदिति की ग्रैंडमदर की पसंदीदा जगह को चुना और वहां पर एक्ट्रेस को प्रपोज किया। अदिति फराह खान के व्लॉग में ही बताती हैं, 'मुझे अपनों के साथ रहना पसंद है, इस बात को सिद्धार्थ समझता है, इसलिए वह मेरे लिए सभी फैमिली मेंबर्स को एक जगह लाने की, खास मौके प्लान करने की हर कोशिश करता है।अदिति और सिद्धार्थ की उम्र की बात करें तो इनमें लगभग आठ साल का फर्क है। अदिति 37 साल की थीं, वही सिद्धार्थ 45 साल के थे, जब दोनों शादी करने का फैसला लिया। सिद्धार्थ ने अदिति से साल 2023 में सगाई की और 16 सितंबर 2024 को अदिति से शादी कर ली। यह शादी बिल्कुल ही सादगी भरे अंदाज में करीबी लोगों के बीच हुई। बताते चलें कि अदिति और सिद्धार्थ दोनों की ये दूसरी शादी थी। अदिति के पहले पति का नाम सत्यदीप मिश्रा था, वहीं सिद्धार्थ की पहली पत्नी का नाम मेघना नारायण था। अदिति के रूप में सिद्धार्थ ने एक सच्चा जीवनसाथी पाया। आज ये दोनों एक खुशहाल जिंदगी गुजार रहे हैं। अदिति राव हैदरी से पहले भी कई एक्ट्रेसेस के साथ सिद्धार्थ का नाम जोड़ा गया। इसमें श्रुति हासन, समांथा रूथ प्रभु और सोहा अली खान जैसे नाम शामिल हैं। कुछ रिश्तों को सिद्धार्थ ने खुलकर नहीं स्वीकारा था लेकिन कुछ रिलेशनशिप पर खुलकर बात की। आखिर में उन्हें अदिति के रूप में एक प्यार करने का वाला जीवनसाथी मिल गया।

फुले' की रिलीज पर रोक लगने से भड़के अनुराग कश्यप, बोले- कोई मुझे समझाओ असली बेवकूफ कौन है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता और अभिनेता अनुराग कश्यप ने फिल्म 'फुले' के रिलीज की रोक को लेकर सेंसर बोर्ड और सरकार पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा-चौड़ा नोट लिखते हुए अपनी निराशा जताई है।फिल्म निर्माता और अभिनेता अनुराग कश्यप ने फिल्म 'फुले' को लेकर सेंसरशिप मुद्दों पर चिंता जताई है। महाराष्ट्र में ब्राह्मण समुदाय द्वारा फिल्म को लेकर जताई गई आपत्ति के बाद इसके रिलीज को कथित तौर पर स्थगित कर दिया गया था। अनुराग ने इस बात पर हैरानी जताई की फिल्म रिलीज से पहले ही समुदाय इस तक कैसे पहुंच प्राप्त कर पाया। उन्होंने जातिवाद को लेकर सरकार पर भी सवाल खड़े किए। अनुराग कश्यप ने पूरे मामले पर अपनी निराशा जताई। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी साझा की। अनुराग ने लिखा, 'मेरी जिंदगी का पहला नाटक ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले पर था। भाई अगर जातिवाद नहीं होता इस देश में तो ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले को क्या जरूरत थी लड़ने की। अब एक समुदाय के लोगों को शर्म आ रही है या वो शर्म में मरे जा रहे हैं या फिर एक अलग ही समुदाय भारत में हैं। हम देख नहीं पा रहे हैं, बेवकूफ कौन है कोई तो समझाए अनुराग का मानना है कि 'फुले' उन कई फिल्मों में से एक है, जिन्हें अपने बोल्ड और बेबाक विषयों के कारण दमन का सामना करना पड़ रहा है। वह 'पंजाब 95', 'तीस', 'धड़क 2' सहित कई फिल्मों का हवाला देते हुए सुझाव देते हैं कि इन फिल्मों को असहज सच्चाई को दर्शाने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। अनुराग ने लिखा, 'मुझे नहीं पता कि इस जातिवादी, क्षेत्रवादी, नस्लवादी सरकार के एजेंडे को उजागर करने वाली और कितनी फिल्में ब्लॉक की गई हैं। उन्हें अपना चेहरा आईने में देखने में शर्म आती है। उन्हें इतनी शर्म आती है कि वो खुलकर यह भी नहीं बता सकते कि फिल्म में ऐसा क्या है? जो उन्हें परेशान करता है। बकवास।अपनी निराशा जताते हुए उन्होंने लिखा, 'भाई मिल के तय कर लो। भारत में जातिवाद है या नहीं?' अनुराग ने लिखा, 'धड़क 2 की स्क्रीनिंग में सेंसर बोर्ड ने बोला भारत में जाति व्यवस्था खत्म कर दी है। इसके आधार पर फिल्म 'संतोष' भी भारत में रिलीज नहीं हुई। अब एक समुदाय को समस्या है 'फुले' से। भैया, जब जाति व्यवस्था ही नहीं है तो काहे की समस्या। कौन हो आप? और एक सवाल- जब जाति व्यवस्था नहीं थी तो ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई क्यों थे? एक बार और सभी के लिए तय करें, क्या भारत में जातिवाद है या नहीं? लोग मूर्ख नहीं हैं।दरअसल, सीबीएफसी ने 7 अप्रैल को निर्माताओं को 'यू' प्रमाणपत्र दिया था और उनसे कई संशोधन करने को कहा था, जिसमें 'मांग', 'महार' और 'पेशवाई' जैसे शब्दों को हटाना, साथ ही 'तीन हजार साल पुरानी गुलामी' को 'कितने साल पुरानी गुलामी' में बदलना शामिल था, जिसके बारे में निर्देशक अनंत महादेवन ने कहा कि उन्होंने इसका अनुपालन किया है। प्रतीक गांधी और पत्रलेखा की फिल्म 'फुले' 11 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, हालांकि, एक समुदाय के विरोध के बाद इस फिल्म की रिलीज टाल दी गई। अब यह 25 अप्रैल को रिलीज हो सकती है। यह फिल्म समाज सुधारक ज्योतिराव गोविंदराव फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है।

इन फिल्मों से हिंदी दर्शकों के बीच भी विक्रम ने जमाई धाक, 'अपरिचित' बन छाए साउथ सुपरस्टार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मणिरत्नम की ऐतिहासिक महागाथा 'पोन्नियिन सेल्वन' में विक्रम ने आदित्य करिकालन का किरदार निभाया। यह फिल्म तमिल, हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हुई और हिंदी बेल्ट में भी इसे खूब पसंद किया गया। विक्रम का दमदार अभिनय, खासकर उनके इमोशनल और गुस्से से भरे सी ने दर्शकों का दिल जीता। दोनों पाट्र्स ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और हिंदी दर्शकों ने इसे खूब सराहा।सामी एक एक्शन क्राइम ड्रामा है, जिसमें विक्रम ने एक ईमानदार पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाई। ज्योतिका और तृषा के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया। इस फिल्म की हिंदी डब पुलिस का हवेली ने उत्तर भारत में खूब धमाल मचाया। विक्रम को इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। हाल ही में रिलीज हुई तंगलान ने विक्रम की लोकप्रियता को और बढ़ाया। यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को साउथ में और 6 सितंबर को हिंदी में रिलीज हुई। इसमें विक्रम ने एक आदिवासी नेता की भूमिका निभाई, जो औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ता है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और हिंदी दर्शकों ने विक्रम के रग-रग में बसी एक्टिंग की तारीफ की। विक्रम ने बॉलीवुड में बहुत कम काम किया, लेकिन उनकी मौजूदगी ने हमेशा दर्शकों को लुभाया। पहली हिंदी फिल्म थी मणिरत्नम की रावण (2010), जिसमें उन्होंने देव प्रताप शर्मा का किरदार निभाया। यह फिल्म हिंदी और तमिल में एक साथ शूट हुई थी, जिसमें अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय भी थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन विक्रम के अभिनय को सराहा गया। इसके बाद विक्रम डेविड (2013) में नजर आए, जो एक क्राइम ड्रामा थी। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया, लेकिन फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन औसत रहा। विक्रम ने खुद स्वीकार किया कि बॉलीवुड में वह उतना नाम नहीं कमा पाए, जितना साउथ में। हालांकि, उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि वह बॉलीवुड में काम करना चाहते हैं बशर्ते उन्हें एक मजबूत और प्रभावशाली किरदार मिले।

बॉक्स ऑफिस पर 'जाट' का दबदबा कायम, 'सिकंदर' से आगे निकली 'गुड बैड अग्ली'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बुधवार को बॉक्स ऑफिस पर 'जाट' का दबदबा कायम नजर आया। वहीं, अजित कुमार की 'गुड बैड अग्ली' कलेक्शन के मामले में सलमान खान की फिल्म से आगे निकल गई। इन दिनों बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के दिग्गज सितारों की फिल्म सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही हैं। सनी देओल की 'जाट', अजित कुमार की 'गुड बैड अग्ली' और सलमान खान की 'सिकंदर' दर्शकों का ध्यान खींचने की पूरी कोशिश कर रही हैं। हालांकि, सलमान की फिल्म अपनी इस कोशिश में अब तक पूरी तरह से नाकाम नजर आई है। आइए जानते हैं कि बुधवार को इन तीनों फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन रहा सनी देओल की 'जाट' ने रिलीज के बाद से ही दर्शकों का ध्यान खींचा है। 10 अप्रैल को रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले दिन नौ करोड़ 50 लाख रुपये की शानदार शुरुआत की थी। वीकएंड पर फिल्म ने रविवार को 14 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर दम दिखाया। हालांकि, सातवें दिन यानी बुधवार को इसकी कमाई में कमी आई, फिर भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखते हुए तीन करोड़ 81 लाख रुपये कमाने में सफल रही। अब तक 'जाट' ने कुल 57.31 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। 100 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म हिंदी और साउथ के दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि दूसरे वीकएंड में यह फिल्म एक बार फिर से रफ्तार पकड़ सकती है। फिल्म में सनी देओल का दमदार अंदाज लोगों को खूब पसंद आ रहा है।अजित कुमार की 'गुड बैड अग्ली' ने 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में कदम रखा। पहले दिन फिल्म ने 29.25 करोड़ रुपये की धमाकेदार ओपनिंग की। यह फिल्म दर्शकों को अपनी ओर खींचने में अब तक सफल रही है। बुधवार को फिल्म ने पांच करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जिसके साथ इसका कुल कलेक्शन अब 113.3 करोड़ रुपये हो गया है। सलमान खान की 'सिकंदर' इस साल ईद पर रिलीज हुई थी, लेकिन यह फिल्म फैंस की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। दर्शकों को सलमान से एक धमाकेदार फिल्म की उम्मीद थी, लेकिन 'सिकंदर' लोगों के दिलों में जगह नहीं बना सकी। बुधवार को फिल्म ने केवल 14 लाख रुपये का कलेक्शन किया, जो इसके 18वें दिन का आंकड़ा है। कुल मिलाकर, 'सिकंदर' ने अब तक 109.74 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

लेबनान में डिज्नी की 'स्नो व्हाइट' पर प्रतिबंध, वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। डिज्नी की फिल्म 'स्नो व्हाइट' को लेबनॉन में प्रतिबंधित कर दिया गया है। आइए जानते हैं कि इस फैसले के पीछे की वजह क्या है?लेबनान ने डिज्नी की आगामी लाइव-एक्शन फिल्म 'स्नो व्हाइट' को सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने पर रोक लगा दी है। इस फैसले की वजह फिल्म में इस्त्राइल अभिनेत्री गैल गैडोट की कास्टिंग है। फिल्म में उन्होंने दुष्ट रानी (ईविल क्वीन) का किरदार निभाया है। यह निर्णय लेबनान के गृह मंत्री अहमद अल-हज्जर ने लिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लेबनान की फिल्म और मीडिया निगरानी संस्था की सिफारिश के बाद यह कदम उठाया गया। गैल गैडोट लंबे समय से लेबनान की 'इजरायल बॉयकॉट लिस्ट' में शामिल हैं।

बेरूत स्थित डिज्नी फिल्मों के वितरक इटालिया फिल्म्स के एक प्रतिनिधि ने इस बारे में 'वैराइटी' से बात करते हुए कहा, ठगैल गैडोट अभिनीत कोई भी फिल्म लेबनान में कभी रिलीज नहीं हुई है। इस बार भी उसी नीति का पालन किया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब इस्त्राइल सैन्य कार्रवाई करते हुए लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बना रही हैं। इन हमलों में कई नागरिकों की जान भी गई है, जिसने दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है। स्नो व्हाइट' डिज्नी की क्लासिक एनिमेटेड फिल्म का लाइव-एक्शन रीमेक है, जिसे दुनियाभर में रिलीज के लिए तैयार किया जा रहा है। गैल गैडोट को 'वंडर वुमन' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाता है। इस फिल्म में वह नकारात्मक भूमिका में हैं। फिलहाल, गैल गैडोट के प्रतिनिधियों ने इस मामले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा

मो0न0-09415608710

RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।